लखनऊ

रविवार, 7 जून, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 281

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जीवन में धोखा खाना भी बहुत जरुरी है, क्योंकि चलना मां-बाप सीखा देते हैं लेकिन संभलना खुद ही सीखना पड़ता हैं।

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

'जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा था, है और रहेगा', UN में नई दिल्ली ने पाकिस्तान को दिया करारा जवाब

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के मंच से पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी आलोचना की है। भारत ने इस्लामाबाद पर अपने संकीर्ण राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र (UN) के प्रतिष्ठित मंचों का दुरुपयोग करने का गंभीर आरोप लगाया। भारत ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर दृढ़ता से दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अटूट अंग है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की सालाना रिपोर्ट पर आयोजित UNGA के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तानी प्रतिनिधि द्वारा की गई अनर्गल टिप्पणियों का मुंहतोड़ जवाब दिया। हरीश ने कहा, 'भारत के पूरी तरह से आंतरिक मामले - केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर - का पाकिस्तान द्वारा अनावश्यक रूप से ज़िक्र किए जाने के कारण मुझे जवाब देना पड़ रहा है।' भारतीय राजनयिक ने पाकिस्तान पर गुमराह करने वाली बातें फैलाने के लिए बार-बार अंतरराष्ट्रीय मंचों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने भारत से जुड़े मुद्दों पर गलत जानकारी फैलाकर UN सुरक्षा परिषद के सदस्य के तौर पर अपनी स्थिति का गलत इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान ने एक बार फिर अपने बांटने वाले राजनीतिक हितों के लिए इस सम्मानित मंच का गलत इस्तेमाल करने का फैसला किया है। UN सुरक्षा परिषद की सदस्यता के साथ बड़ी ज़िम्मेदारी जुड़ी होती है और इसका इस्तेमाल पक्षपाती और झूठी बातें फैलाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।'

होटल का रसोइया गिरफ्तार, मालिक पुलिस कस्टडी में, जांच में हुए कई चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में स्थित 'फ्लोरिश स्टे होटल' में लगी भीषण आग की जांच अब बेहद तेज हो गई है। इस दर्दनाक हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 28 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को इस मामले में एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए होटल के मुख्य रसोइए (कुक) को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान 65 वर्षीय केशव नेगी के रूप में हुई है, जो दिल्ली के दिलशाद गार्डन का निवासी है। शुरुआती पुलिस जांच में सामने आया है कि रसोइया केशव नेगी की घोर लापरवाही के कारण ही रसोई से आग भड़की, जिसने देखते ही देखते पूरी पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। मालवीय नगर के हौज़ रानी इलाके में चल रहे 'फ्लोरिश स्टे होटल' में 3 जून को आग लगी थी। आग तेज़ी से पूरी इमारत में फैल गई, जिससे अंदर मौजूद लोग फंस गए। यह हाल के वर्षों में राष्ट्रीय राजधानी में हुई सबसे घातक आग की घटनाओं में से एक थी। जांचकर्ताओं को इमारत में सुरक्षा नियमों के कई उल्लंघन मिले हैं। आरोप है कि होटल बिना ज़रूरी 'फायर नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (NOC) के चल रहा था।

जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' का महाजुटाव!

सीजेपी का 5 घंटे तक चला प्रदर्शन खत्म, मांगा धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली का ऐतिहासिक जंतर-मंतर आज एक बेहद अनोखे और डिजिटल आंदोलन का गवाह बनने जा रहा है। सोशल मीडिया पर चर्चित डिजिटल संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के बैनर तले आज एक बड़ा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। इस व्यंग्यात्मक और अनूठे आंदोलन के संस्थापक अभिजीत दिपके आज सुबह करीब 7:30 बजे अमेरिका से सीधे दिल्ली पहुंचे हैं। दिल्ली आते ही उन्होंने अपने समर्थकों (जिन्हें वे प्यार से 'कॉकरोच' कहते हैं) से सीधे जंतर-मंतर पहुंचने की अपील की है। अभिजीत दिपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (ट्विटर) पर पोस्ट कर लिखाः 'सभी कॉकरोच सीधे जंतर-मंतर आएं, पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन न जाएं। हम सुबह 10 बजे अपना शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे।' कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के आधिकारिक हैंडल से एक तस्वीर शेयर की गई है, जिसमें संगठन के संस्थापक अभिजीत दिपके और प्रवक्ता आशुतोष रंका दिल्ली पहुंचने के बाद नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में दिपके के हाथ में समाज सुधारक डॉ. बी.आर. अंबेडकर की आत्मकथा की एक प्रति देखी जा सकती है। CJP ने अपने पोस्ट में साफ किया है कि यह विरोध प्रदर्शन केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर किया जा रहा है। पार्टी ने नारा दिया है—'भारत के संविधान के पूरे समर्थन के साथ, कॉकरोच सुबह 10 बजे से जंतर-मंतर पर जुटेंगे। कॉकरोच आ रहे हैं, धर्मेंद्र प्रधान जा रहे हैं।'

'कॉकरोच जनता पार्टी' पर एफआईआर, विदेशी फंडिंग का इस्तेमाल करने का आरोप

दिल्ली के जंतर-मंतर पर शनिवार को हुए बड़े विरोध प्रदर्शन के बाद, युवाओं के नेतृत्व वाले व्यंग्यात्मक संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के खिलाफ़ कथित राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत तब दर्ज की गई जब अभिजीत दिपके ने अमेरिका से लौटने के कुछ ही समय बाद दिल्ली में NEET-UG 2026 पेपर लीक और CBSE की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) मूल्यांकन प्रक्रिया में गड़बड़ियों को लेकर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया; शिकायत में CJP पर विदेशी फंडिंग का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है।

छावनी में बदला जंतर-मंतर, पूरी दिल्ली में सुरक्षा सख्त

इस डिजिटल संगठन के जमीनी प्रदर्शन के आह्वान को देखते हुए दिल्ली पुलिस कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती। जंतर-मंतर पर सुबह से ही भारी संख्या में सुरक्षा बल और पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं।

इसके अलावा, सुरक्षा का घेरा केवल जंतर-मंतर तक सीमित नहीं है। एहतियात के तौर पर पूरी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल (IGI) एयरपोर्ट, दिल्ली के सभी बॉर्डर एंट्री पॉइंट्स (सीमाओं) और अन्य संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

हाथ में अंबेडकर की किताब, जुबान पर 'जय भीम', Delhi में NEET Protest से Abhijeet Dipke की एंट्री

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके शनिवार सुबह अमेरिका से भारत पहुंचे और दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक विशाल विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे। दिल्ली हवाई अड्डे पर इस ऑनलाइन आंदोलन के संस्थापक को समाज सुधारक बीआर अंबेडकर की आत्मकथा की एक प्रति पकड़े हुए देखा गया। भारत पहुंचने के बाद अपने पहले संबोधन में, दिपके ने कई प्रदर्शनकारियों के साथ मिलकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। ये नारे NEET परीक्षा के पेपर लीक मामले, CBSE की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली में कथित अनियमितताओं और परीक्षा से संबंधित अन्य कथित खामियों को लेकर लगाए गए थे। धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना होगा और धर्मेंद्र प्रधान, इस्तीफा दो! जैसे नारों के अलावा जय भीम का नारा भी लगाया गया।

इस विरोध प्रदर्शन की अनुमति को लेकर दो अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं

CJP का दावा: इंडिया टुडे को मिले एक कथित मंज़ूरी पत्र के अनुसार, CJP का दावा है कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की लिखित अनुमति दे दी है, जिस पर अभिजीत दिपके के हस्ताक्षर भी हैं। इसी वजह से समर्थकों को पुलिस स्टेशन जाने के बजाय सीधे जंतर-मंतर जुटने को कहा गया है। वहीं दूसरी ओर, समाचार एजेंसी PTI के सूत्रों के अनुसार, दिल्ली पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें इस विरोध प्रदर्शन के लिए कोई औपचारिक लिखित अनुरोध नहीं मिला है। हालांकि, सोशल मीडिया पर चल रही गतिविधियों को देखते हुए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है।

'अच्छी सरकार चुनोगे, अच्छे परिणाम आएंगे', गोंडा में बोले सीएम योगी, कहा- अब हर जिले में बन रहे मेडिकल कॉलेज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोंडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोंडा में 516 करोड़ की लागत वाली 262 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि जब मैं गोंडा की बात करता हूं, याद करिए 2017 में देश का सबसे गंदे शहर के रूप में किसी शहर की चर्चा हुई थी तो गोंडा की चर्चा हुई थी और आज मैं कह सकता हूं गोंडा देश के जो स्वच्छ शहरों में से एक अपनी पहचान बना रहा है। आपसे ये कहूंगा अच्छा काम जो करे उसके साथ खड़ा होना सीखें। याद रखना उसी में वर्तमान और भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित है। उसी में विकास संभव है और विकास का कोई दूसरा विकल्प नहीं हो सकता। विकास का विकल्प दूसरा नहीं हो सकता है।

गोंडा में तेजी से हो रहा विकास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेडिकल कॉलेज जनपद गोंडा के लिए एक सपना था, जो आज साकार हो चुका है। अब यहां इंजीनियरिंग और एग्रीकल्चर कॉलेज भी हैं। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण हो रहा है और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए अन्य अस्पतालों का भी निर्माण किया जा रहा है। सीएम योगी ने जनता से कहा कि गलत सरकारें चुनते हैं तो गलत कार्य होते हैं। परिणाम भी गलत आता है। अच्छी सरकार चुनते हैं। अच्छे परिणाम आते हैं। अब गोंडा गंदा नहीं है। अस्वच्छ नहीं है। अब तो गोंडा स्वच्छ भी है और विकास की गति में एक नई रफ्तार के साथ आगे बढ़ रहा है। एक नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। इस विश्वास के साथ आप सबको मैं इन योजनाओं की हृदय से बधाई देता हूं।

मुख्यमंत्री ने जनता से कहा कि जब अच्छी सरकार चुनोगे, अच्छे परिणाम आएंगे। अच्छे लोगों को चुन करके भेजोगे, अच्छे परिणाम आएंगे। गलत लोगों को चुनोगे, तो उसका खामियाजा से भी कोई वंचित नहीं कर पाएगा। यही तो होता था 2017 के पहले जब गलत सरकारें आती थीं। यही होता था, वह विकास केवल एक गांव तक सीमित होकर के रह गया था।

सीएम योगी ने विपक्ष पर कसा तंज

पहले एक गांव तक सारी योजनाएं पहुंचती थी। हमें मेडिकल कॉलेज बनाना था। हमने यह नहीं कहा कि सैफई में बनेगा। हमने कहा गोंडा में बनेगा। हमने कहा बहराइच में बनेगा, बलरामपुर में बनेगा ,अयोध्या में बनेगा, बस्ती में बनेगा। इन सभी जनपदों में हम लोगों ने मेडिकल कॉलेज बनाया। सरकारी मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर में भी बन गया। सब जगह मेडिकल कॉलेज है। अंबेडकर नगर में मेडिकल कॉलेज, सुल्तानपुर में मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। कौन जिला है जहां पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण नहीं हो रहा है?।

आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों के साथ पीएम मोदी की बैठक, ईज ऑफ लिविंग-ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर के बाजारों और आर्थिक हालात में काफी उतार-चढ़ाव (अनिश्चितता) चल रहे हैं। इसके बावजूद, भारत अपनी तरक्की की रफ्तार को कम नहीं होने देना चाहता। इस मकसद के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC) की बैठक बुलाई और इसकी अध्यक्षता की। इस बैठक का मकसद वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने की रणनीतियों की समीक्षा करना था। बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री और परिषद के सदस्यों ने अस्थिर वैश्विक माहौल में आर्थिक गति को मजबूत करने पर चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने भारत की मजबूती को बढ़ाने के लिए कई विचारों, ईज ऑफ लिविंग-ईज ऑफ डूइंग और नीतिगत उपायों पर चर्चा की। चर्चा का मुख्य केंद्र बदलती अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता सुनिश्चित करते हुए विकास दर को बनाए रखना था। काउंसिल ने नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और अलग-अलग सेक्टर में बिजनेस करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के सुधारों पर भी चर्चा की। इसमें शामिल लोगों ने प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, निवेश को बढ़ावा देने और आर्थिक गतिविधियों के लिए बेहतर माहौल बनाने के तरीकों पर विचार किया।

इसी मकसद से इस मीटिंग में दो मुख्य बातों पर जोर दिया गया। पहली ये कि सरकार आने वाली जरूरतों के हिसाब से पहले से ही सही नियम और नीतियां बनाएगी। दूसरी ये कि देश की अर्थव्यवस्था को लंबे समय तक मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी बड़े सुधार किए जाएंगे। पिछले महीने पीएम मोदी ने नागरिकों से 'वर्क फ्रॉम होम' को प्राथमिकता देने, ईंधन की खपत कम करने, एक साल तक विदेश यात्रा से बचने, स्वदेशी उत्पादों को अपनाने, खाना पकाने के तेल का इस्तेमाल कम करने, प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने और सोना खरीदने में कमी लाने की अपील की। ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में आवागमन के तरीकों में बदलाव लाने का आग्रह किया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करके पेट्रोल और डीजल की खपत कम करें। इसके साथ ही निजी वाहनों की जरूरत पड़ने पर कारपूलिंग का विकल्प चुनें, सामान की ढुलाई के लिए रेलवे परिवहन को प्राथमिकता दें।

अस्थियां विसर्जित करने जा रहा था परिवार, रास्ते में हुई 8 लोगों की मौत, चारों तरफ मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब के फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ एक ट्रक और महिंद्रा पिकअप गाड़ी के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह दर्दनाक हादसा फिरोजपुर के जंगावाला गांव के पास हुआ।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पिकअप गाड़ी में सवार यात्री जलालाबाद इलाके के रहने वाले थे। वे अपने एक मृतक रिश्तेदार की अस्थियां विसर्जित करने के लिए ब्यास स्थित राधा स्वामी डेरा जा रहे थे। इस गाड़ी में लगभग 25 लोग सवार थे, जो आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। तभी रास्ते में जंगावाला गांव के समीप

सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी।

चश्मदीदों के मुताबिक, दोनों गाड़ियों के बीच टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि पिकअप वैन के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। टक्कर के तुरंत बाद चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही इमरजेंसी सेवाएं मौके पर पहुंचीं और घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान चार अन्य लोगों की भी मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को फिरोजपुर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, घायल हुए 15 से अधिक लोगों में से कईयों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। गंभीर स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।

संकरी गलियां और नियमों की अनदेखी बनती रही काल! दिल्ली में पिछले 6 सालों में आग से जुड़ी घटनाओं में 543 लोगों की जान गयी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर की एक संकरी गली में स्थित 'फ्लोरिश स्टे' बेड एंड ब्रेकफास्ट (B&B) होटल में बुधवार को लगी भीषण आग ने पूरी राजधानी को हिलाकर रख दिया है। इस दिल दहला देने वाले हादसे में विदेशी नागरिकों समेत 21 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 25 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना ने एक बार फिर दिल्ली में अग्नि सुरक्षा (Fire Safety) के पुख्ता इंतजामों और नियमों के उल्लंघन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह कोई इकलौता हादसा नहीं है, हाल ही में विवेक विहार और पालम क्षेत्रों में भड़की आग में भी क्रमशः 9-9 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

दिल्ली सरकार और दिल्ली अग्निशमन सेवा (DFS) के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि राजधानी में आग की घटनाएं अब एक जानलेवा संकट बन चुकी हैं। आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि पिछले छह वर्षों में राजधानी में आग से संबंधित दुर्घटनाओं में 543 लोगों की जान गई है।

धित दुर्घटनाओं में कुल 543 लोगों की मौत हुई है। साल 2026 के लगभग पहले छह महीनों में ही आग की घटनाओं में 65 मौतें दर्ज की जा चुकी हैं। पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को प्राप्त होने वाली सूचनाओं की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। डीएफएस के आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 में आग की घटनाओं में 84 लोगों, 2024-25 में 90 लोगों और 2023-24 में 77 लोगों की जान गई। वहीं, 2020-21 में 41 और 2021-22 में 55 मौतें दर्ज की गई थीं।

हालांकि, 2022-23 में यह संख्या फिर बढ़कर 95 हो गई थी। आग से होने वाली मौतों की सबसे अधिक संख्या 2019-20 में दर्ज की गई थी। उसी वर्ष अनाज मंडी अग्निकांड हुआ था, जिसमें 44 लोगों की मौत हुई थी। यह 1997 के उपहार सिनेमा अग्निकांड में हुई 59 मौतों के बाद दिल्ली की सबसे भीषण आग की घटनाओं में से एक थी।

आंकड़ों के अनुसार, 2019 से 2025 के बीच आग से संबंधित घटनाओं में कुल 4,403 लोग घायल हुए। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि आग से जुड़ी आपात स्थितियों के संबंध में दिल्ली अग्निशमन सेवा को प्राप्त होने वाली सूचनाओं की संख्या लगातार बढ़ी है। यह संख्या 2019-20 में 17,231 थी, जो बढ़कर पिछले वित्त वर्ष में 20,379 हो गई।

पिछले कुछ वर्षों में आग से हुई मौतों का सिलसिला इस प्रकार रहा है:

2025-26 : 84 मौतें
2024-25 : 90 मौतें
2023-24 : 77 मौतें
2022-23 : 95 मौतें
2021-22 : 55 मौतें
2020-21 : 41 मौतें

आंकड़ों की जुबानी: 6 वर्षों में 543 मासूमों की मौत

दिल्ली सरकार के हालिया आंकड़ों के अनुसार, साल 2019 से लेकर मार्च 2026 तक आग से संबंधित दुर्घटनाओं में कुल 543 लोगों की मौत हो चुकी है। चिंता की बात यह है कि साल 2026 के शुरुआती लगभग छह महीनों में ही आग के तांडव के कारण 65 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

इतिहास का सबसे काला पन्ना

आग से होने वाली मौतों की सबसे डरावनी संख्या साल 2019-20 में दर्ज की गई थी, जब मशहूर अनाज मंडी अग्निकांड हुआ था। उस हादसे में 44 लोगों की मौत हुई थी। साल 1997 के उपहार सिनेमा कांड (59 मौतें) के बाद यह दिल्ली की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक थी।

सबूतों के अभाव में रेप और हत्या के आरोपी को जमानत, भारी मन के साथ कोर्ट ने दिया आदेश

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रेप और हत्या के एक मामले में वैज्ञानिक सबूतों के अभाव के कारण आरोपी को जमानत दे दी। इस दौरान कोर्ट ने उत्तर प्रदेश की फॉरेंसिक जांच व्यवस्था पर गहरी चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि वह भारी मन के साथ आरोपी को जमानत देने के लिए मजबूर है, क्योंकि वैज्ञानिक सबूतों आरोपी को अपराध से जोड़ने में असफल रहे हैं।कोर्ट ने राज्य सरकार की फॉरेंसिक लैब की बदहाल स्थिति पर कड़ी नाराजगी जाहिर की।

जस्टिस अरुण कुमार सिंह देशवाल की बेंच ने आरोपी मनोज की जमानत याचिका मंजूर करते हुए कहा कि फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की रिपोर्ट से यह साबित नहीं हो सका कि मृतका के वेजाइनल स्मीयर (Vaginal Smear) में मिला DNA प्रोफाइल आवेदक का है। वजह थी DNA प्रोफाइल का अधूरा बन पाना। कोर्ट ने कहा कि FSL की रिपोर्ट में मृतका के वैजाइनल स्मीयर से मिले DNA का मिलान आरोपी से नहीं हो सका। रिपोर्ट में बताया गया कि DNA प्रोफाइल पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हो पाई, जिसके कारण उसके स्रोत की पहचान संभव नहीं थी। कोर्ट ने कहा कि सबूत के बिना किसी को जेल में रखना न्याय नहीं होगा।

FSL की मशीनें पुरानी

21 मई के आदेश में कोर्ट ने राज्य की फॉरेंसिक लैब की बुनियादी कमियों को उजागर किया। कोर्ट ने कहा कि राज्य में ज्यादातर मामलों में यही समस्या सामने आती है। कोर्ट ने कहा 'अधिकांश मामलों में FSL की रिपोर्ट यही दिखाती है कि DNA प्रोफाइल अधूरी बनने की वजह से Vaginal Swab में मिले DNA का स्रोत तय नहीं हो पाता'। कोर्ट ने कहा कि DNA प्रोफाइल अधूरी रहने के कारण जांच एजेंसियां अपराधियों तक नहीं पहुंच पातीं।

कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पुरानी मशीनें और अपर्याप्त बुनियादी ढांचा इस समस्या की मुख्य वजह हैं। कोर्ट ने कहा कि पुरानी मशीनें और अधूरा इंफ्रास्ट्रक्चर ही DNA प्रोफाइल न बन पाने की मुख्य वजह है। जस्टिस देशवाल ने कहा कि इसके लिए राज्य सरकार के अलावा किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि फोरेंसिक प्रयोगशालाओं को आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराना उसकी जिम्मेदारी है।

सरकार को दिए निर्देश

कोर्ट ने आरोपी को जमानत देते हुए उम्मीद जताई कि राज्य सरकार FSL को हाई-एंड मशीनें मुहैया कराएगी और पर्याप्त स्टाफ तैनात करेगी। बेंच ने हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार (compliance) को निर्देश दिया कि इस आदेश की कॉपी उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को भेजी जाए ताकि वो मुख्यमंत्री के संज्ञान में इसे ला सकें।

ईद-ए-गदीर के मौके पर अमहट में महफिल का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। क्षेत्रों अमहट गोराबारिक तुराबखानी हसनपुर मनियारपुर जूडूपुर प्रतापपुर मनियारी भाईं लौहर दक्षिण खैराबाद सैदपुर हयातनगर कोटवा सुरौली मूंगर बेलहरी प्यारेपुर कादीपुर सैदखानपुर चुनहा करौंदिया वलीपुर कारीभीप इसौली में पहले इमाम हजरत अली अलैहिस्सलाम की ताजपोशी यौमे जश्ने गदीर के मौके पर महफिल का आयोजन करके जश्न मनाया गया और मिठाइयां बांटी गयी।

जामा मस्जिद गोराबरिक अमहट में सुबह 10बजे आमाले गदीर हुआ और अमहट गेट के बगल स्टाल लगाकर फल व मिठाई बांटी गयी। रात में 8बजे जामा मस्जिद गोराबरिक अमहट के सामने तनजीमे हैदरी गोराबारिक अमहट की तरफ से एक महफिल का आयोजन किया गया जिसमें मौलाना फरमान अली ने तलावते कलाम पाक से शुरूआत की।

तकरीर मौलाना अब्बास इरशाद नकवी लखनऊ ने की उन्होंने कहा आज ही के दिन मोहम्मद साहब ने अपने अन्तिम समय में अन्तिम हज की वापसी पर गदीर ए खुम के मैदान में सवा लाख हाजियों के सामने खुदा के हुक्म से मौला अली अलैहिस्सलाम को अपना उत्तराधिकारी बनाया था।उसी याद में हर साल जश्न मनाया जाता है। संचालन अहमद रजा बिजनौरी ने की और मारूफ सिरसवी बेताब हल्लौरी नदीम असगर बिजनौरी नगमी केरतपुरी तकी नौगवी अपना कसीदा सुनाया ।यह जानकारी हैदर अब्बास खान अध्यक्ष हुसैनी शिया वेलफेयर एसोसिएशन सुल्तानपुर ने दी है।

वृद्धजनों के अधिकारों के प्रति जागरूक होना जरूरी : मुक्ता त्यागी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुलतानपुर द्वारा वृद्धजनों को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध कानूनी सहायता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से वृद्धाश्रम में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मुक्ता त्यागी के संयोजन में संपन्न हुआ।

शिविर को संबोधित करते हुए सचिव मुक्ता त्यागी ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने वृद्धजनों को वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, पारिवारिक विवादों के समाधान तथा अन्य विधिक सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय एवं जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराता है। किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या, संपत्ति विवाद, भरण-पोषण, उत्पीड़न अथवा अन्य मामलों में वरिष्ठ नागरिक प्राधिकरण से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने उपस्थित वृद्धजनों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालेंटियर सर्वेश कुमार सिंह ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वृद्धजन समाज की वह नींव हैं जिनके अनुभव और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी को दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और विधिक सहायता पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने उपस्थित वृद्धजनों को आश्वस्त किया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर प्राधिकरण उनकी सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेगा। शिविर के दौरान वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा उनके समाधान के संबंध में आवश्यक कानूनी परामर्श भी प्रदान किया गया। उपस्थित वृद्धजनों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन उन्हें अपने अधिकारों और उपलब्ध कानूनी सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होते हैं। इस अवसर पर पीएलवी सुनील राठौर, समाजसेविका खुशी अग्रहरि, वृद्धाश्रम के मैनेजर श्रवण कुमार शर्मा, सूर्य लाल, आंशिक गुप्ता, रमेश कुमार, ललिता मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं वृद्धाश्रम के निवासी उपस्थित रहे।

बल्दीराय तहसील के नवनिर्मित भवन में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील के नवनिर्मित भवन में शनिवार को जिलाधिकारी इन्द्रजीत सिंह की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। अवैध कब्जा, राशन कार्ड, विद्युत बिल तथा पुलिस विभाग से संबंधित सैकड़ों शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गईं। इस बार शिकायतों के निस्तारण के लिए नई व्यवस्था लागू की गई। प्राप्त शिकायतों को पहले संबंधित विभागीय अधिकारियों के पास भेजा गया, जहां प्रकरण की जांच कर शिकायत पत्रों पर आवश्यक टिप्पणियां दर्ज की गईं। इसके बाद शिकायतकर्ता संबंधित अधिकारियों के साथ जिलाधिकारी इन्द्रजीत सिंह एवं पुलिस अधीक्षक चारु निगम के समक्ष उपस्थित हुए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

पिता ने दही में जहर मिलाकर बच्चों को खिलाया, 2 की दर्दनाक मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के बरवार गांव में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक पिता पर अपने ही तीन बच्चों को दही में जहर मिलाकर खिलाने का आरोप लगा है। इस घटना में दो मासूम बच्चों की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि बड़ी बेटी की जान बच गई। घटना के समय बच्चों की मां नौकरी पर गई हुई थीं। बरवार गांव निवासी सत्यम कुमार की शादी करीब 12 वर्ष पहले गोरखपुर के इंदिरा नगर निवासी संजू देवी से हुई थी। संजू देवी शहर के सुपर बाजार में काम करती हैं। गुरुवार शाम वह अपनी ड्यूटी पर थीं, जबकि घर पर उनके तीन बच्चे प्रज्ञा (11 वर्ष), प्राची (8 वर्ष) और अक्षत (5 वर्ष) मौजूद थे।

आरोप है कि गुरुवार रात करीब आठ बजे सत्यम कुमार घर पहुंचा और दही में कोई जहरीला पदार्थ मिलाकर बच्चों को खाने के लिए दिया। बताया जा रहा है कि छोटी बेटी प्राची और बेटे अक्षत ने वह दही खा लिया, जबकि बड़ी बेटी प्रज्ञा ने दही खाने से इनकार कर दिया। कुछ ही देर बाद दोनों बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। बच्चों की हालत गंभीर होते देख आरोपी पिता वहां से फरार हो गया।

इस बीच बड़ी बेटी प्रज्ञा ने साहस दिखाते हुए घटना की जानकारी अपने दादा और बुआ को दी। सूचना मिलते ही परिजन घर पहुंचे और दोनों बच्चों को तत्काल जिला अस्पताल लेकर गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हालांकि इलाज के दौरान आठ वर्षीय प्राची और पांच वर्षीय अक्षत की मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर गीड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

ऑटो चलाता है पिता

परिजनों के मुताबिक सत्यम कुमार ऑटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। मृतक बच्चों की दादी ने बताया कि वह ऑटो की किस्त जमा करने के लिए परिवार से पैसों की मांग कर रहा था। आर्थिक मदद नहीं मिलने से वह नाराज चल रहा था। शुरुआती जांच में आर्थिक तंगी को घटना का संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस अन्य पहलुओं को भी खंगाल रही है। क्षेत्राधिकारी गीड़ा ने बताया कि गुरुवार देर रात सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ने अपने बच्चों को जहर दे दिया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बच्चों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान दो बच्चों की मौत हो गई। बच्चों के दादा की तहरीर पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मर्डर या सुसाइड? सहारनपुर में पेड़ पर लटका मिला बजरंग दल के कार्यकर्ता का शव

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर जिले के शाकंभरी क्षेत्र में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बिजनौर के हल्दौर निवासी 30 वर्षीय शिवम वर्मा के रूप में हुई है। मृतक बजरंग दल के विभाग संयोजक पद पर जिम्मेदारी निभा रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही सहारनपुर और बिजनौर के बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को नागलमाफी गांव के पास खेतों में एक पेड़ पर ग्रामीणों ने एक युवक का शव लटका देखा, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची मिर्जापुर पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर जांच शुरू की। मृतक की पहचान जेब से मिले दस्तावेजों के आधार पर की गई।

घटनास्थल से पुलिस को रस्सी का टुकड़ा, सिगरेट, लाइटर और नकदी बरामद हुई है। वहीं शव की स्थिति को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक के पैर मुड़े हुए थे, जिससे हत्या के बाद शव को पेड़ पर लटकाकर आत्महत्या का रूप देने की आशंका जताई जा रही है।

परिजनों के मुताबिक शिवम वर्मा अपनी मां के साथ देहरादून आए हुए थे। बुधवार रात उनके मोबाइल पर किसी का फोन आया था, जिसके बाद वह घर से निकल गए। इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला और अगले दिन शाकंभरी क्षेत्र में उनका शव पेड़ से लटका मिला। पुलिस अब उस आखिरी कॉल और मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाल रही है।

घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी अभिनंदन सिंह और एसपी देहात मयंक पाठक मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

हत्या या आत्महत्या, पुलिस कर रही जांच

पुलिस आत्महत्या और हत्या दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य परिस्थितियों के आधार पर सभी बिंदुओं पर जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और कॉल डिटेल रिकॉर्ड के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

पहले एसी की ठंडी हवा के लिए मजे, फिर चोरों ने की करोड़ों की चोरी, बिहार गया था परिवार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। यूपी के वाराणसी जिले में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। बंद पड़े घर से बदमाशों ने करोड़ों रुपये कीमत की ज्वेलरी और नकदी की चोरी की। चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए हीरे और सोने-चांदी के कीमती गहनों समेत करीब 1.92 लाख रुपये नकद पर हाथ साफ कर दिया। चोर अपने साथ CCTV का डीवीआर भी उठा ले गए। बताया जा रहा है कि यह चोरी हाल के वर्षों की सबसे बड़ी चोरियों में से एक है। घटना जिले के शिवपुर थाना क्षेत्र के गणेशपुर इलाके की है।

जानकारी के अनुसार मकान मालिक विनोद कुमार सिंह अपने परिवार के साथ एक जून को बिहार के रोहतास जिले में किसी के यहां तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उन्होंने दो जून की रात तक घर में लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की थी और उस समय सब कुछ सामान्य था, लेकिन अगले दिन सुबह कैमरे बंद दिखाई देने लगे। 4 जून की शाम पड़ोसियों ने फोन कर घर का मेन गेट खुला होने की जानकारी दी, जिसके बाद परिवार तुरंत वाराणसी पहुंचा।

हीरे का मंगलसूत्र... 8 सोने के हार भी चोरी

पीड़ित परिवार के अनुसार चोरी हुए सामान में हीरे का मंगलसूत्र, 8 सोने के हार, 12 सेट चूड़ियां, चार कड़े, कई सोने की चेन, अंगूठियां, नथिया, टीका, माला, कान की बालियां, चांदी के 75 से अधिक सिक्के, पायल, चांदी के बर्तन और धार्मिक महत्व की विशेष अंगूठियां शामिल हैं। अधिकांश गहने पुश्तैनी बताए जा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि विनोद कुमार सिंह के दामाद शैलेन्द्र सिंह जीएसटी विभाग में अधिकारी हैं और चोरी हुए गहनों में उनकी पत्नी के आभूषण भी शामिल हैं। एसीपी अपूर्व पांडेय ने बताया कि घटना 3 जून की रात की है। मामला बेहद गंभीर है और पुलिस कई पहलुओं पर जांच कर रही है। कई संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

टूटे थे ताले बिखरा था पूरा सामान

घर पहुंचने पर परिवार के होश उड़ गए। घर का मेन के दरवाजे और कमरों के ताले टूटे हुए थे और पूरा सामान बिखरा पड़ा था। शुरुआती जांच में सामने आया कि चोर पीछे की दीवार फांदकर घर में घुसे थे और करीब तीन घंटे तक आराम से पूरे घर खंगाला। हैरानी की बात यह है कि चोरों ने घर का एसी चलाकर वारदात को अंजाम दिया और जाते समय सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ ले गए, ताकि कोई सबूत न बच सके।

भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रोता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। त्याग, भक्ति और वैराग्य का संदेश लेकर चल रही श्रीमद् भागवत कथा महापुराण के पांचवे दिन भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव की कथा व आनंद में शहरी गांव के लोग डूबे रहे कथा व्यास के प्रवचन व भक्ति में माहौल में जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया यहां महिलाओं किशोरियों महिलाओं में खास उत्साह देखने को मिला।

व्यासपीठ से आचार्य पं रामचंद्र मिश्र रामायणी ने पांचवें दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सवष्भक्त ध्रुव की तपस्या और भक्त प्रह्लाद की अटल निष्ठाष का प्रसंग सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कथा सुनने के लिए सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय राज बाबू पूर्व कैबिनेट मंत्री जय नारायण तिवारी सोनभद्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आरके मिश्रा भाजपा नेता विकास शुक्ला समेत सैकड़ो सामाजिक विभूतियां ग्रामीणों के साथ शामिल हुई। यहाँ कथा व्यास ने ध्रुव कथा सुनाते हुए कहा कि राजा उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव को माता सुरुचि ने राजसिंहासन पर बैठने से रोक दिया था। पांच वर्ष के बालक ध्रुव ने जब अपनी मां सुनीति से पूछा तो मां ने कहा बेटा, भगवान की भक्ति करो, वही तुम्हें वो पद देंगे जो किसी ने नहीं पाया। ये सुनकर ध्रुव जंगल की ओर निकल पड़ा। महाराज जी ने भावुक होकर कहा आज के बच्चे 5 साल में मोबाइल मांगते हैं, ध्रुव ने 5 साल की उम्र में भगवान को मांग लिया। उन्होंने आगे बताया कि ध्रुव ने मधुवन में जाकर कठोर तपस्या शुरू की। पहले दिन सिर्फ फल खाए, फिर पत्ते, फिर हवा पर रहने लगा। नारद मुनि ने आकर उसे ॐ नमो भगवते वासुदायष का मंत्र दिया। ध्रुव ने एक पैर पर खड़े होकर 6 महीने तक तपस्या की। उसकी तपस्या से तीनों लोक कांप गए। जब ध्रुव की तपस्या चरम पर पहुंची, तो भगवान विष्णु स्वयं शंख-चक्र-गदा-पद्म धारण करके प्रकट हो गए। भगवान ने ध्रुव से वरदान मांगने को कहा।

बीड़ी का बंडल, 150 रुपये चोरी का शक... दोस्त ही निकला कातिल, कानपुर की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के मूलगंज थाना क्षेत्र में मेस्टन रोड स्थित इंदिरा गांधी प्रतिमा के पास 3 जून की रात हुई मजदूर की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस हत्याकांड में पुलिस ने मृतक के ही एक दोस्त को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि दोनों के बीच लंबे समय से पैसे और बीड़ी चोरी करने को लेकर विवाद चल रहा था। घटना वाली रात भी इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ, जिसके बाद आरोपी ने अपने दोस्त की हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार, 4 जून की सुबह मेस्टन रोड स्थित इंदिरा गांधी चौक के पास एक मजदूर का खून से लथपथ शव मिला था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर किसी भारी वस्तु से किए गए वार को मौत का कारण बताया गया था। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की गहन जांच शुरू की।

बताया जाता है कि मेस्टन रोड क्षेत्र में दिन के समय मजदूर मंडी लगती है, जहां बड़ी संख्या में दिहाड़ी मजदूर काम की तलाश में पहुंचते हैं। कई मजदूर रात में भी वहीं रुककर सो जाते हैं। मृतक और आरोपी अशर्फीलाल भी ऐसे ही मजदूर थे, जो कानपुर में रहकर रोजाना मजदूरी का काम करते थे और आपस में दोस्त माने जाते थे। पुलिस पूछताछ में आरोपी अशर्फीलाल ने हत्या की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि मृतक अक्सर उसकी जेब से पैसे और बीड़ी चुरा लिया करता था। इस बात को लेकर दोनों के बीच पहले भी कई बार विवाद हो चुका था। घटना वाली रात भी मृतक ने कथित तौर पर उसकी जेब से 150 रुपये और बीड़ी का बंडल निकाल लिया था। जब उसने इसका विरोध किया तो मृतक गाली-गलौज करने लगा।

आरोपी ने बताया कि इस घटना से वह बेहद नाराज था। देर रात जब मृतक सो गया तो उसने मौके का फायदा उठाकर ईंट से उसके सिर पर कई वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गया।

क्या बोले अधिकारी?

डीसीपी सेंट्रल सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि मामले के खुलासे के लिए पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों और जांच के आधार पर आरोपी अशर्फीलाल की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर मामूली विवादों के हिंसक रूप लेने की गंभीरता को उजागर कर दिया है।

खिलाड़ियों का बॉक्सिंग में शानदार प्रदर्शन, मंडल ट्रायल हेतु चयन

सुल्तानपुर। जिला खेल कार्यालय, सुल्तानपुर द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर बॉक्सिंग प्रतियोगिता के जिला स्तरीय चयन ट्रायल में सुल्तानपुर खेल एवं शिक्षा परिषद की मार्शल आर्ट अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की।

अकादमी के दो खिलाड़ियों असद खान एवं अंश विश्वकर्मा ने चयन ट्रायल में प्रतिभाग किया, जिसमें असद खान का मंडलीय चयन ट्रायल के लिए चयन किया गया। खिलाड़ी की इस उपलब्धि से अकादमी एवं खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत एवं प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। चयन प्रक्रिया के दौरान सुल्तानपुर खेल एवं शिक्षा परिषद के महासचिव शुभम धुरिया, सुल्तानपुर बॉक्सिंग संघ के महासचिव विजय यादव तथा सीनियर कोच राहुल की विशेष उपस्थिति एवं मार्गदर्शन रहा।

दुल्हा हत्या में 38 दिन बाद भी मुख्य आरोपी फरार

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के बडऊर गांव में बीते एक मई को दूल्हे आजाद बिंद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के 38 दिन बाद भी मुख्य आरोपी गिरफ्तार नहीं हो सके हैं। मृतक आजाद बिंद की बहन सौम्या बिंद ने बताया कि उनका परिवार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने लखनऊ पहुंचा था। मुख्यमंत्री ने उनसे मुलाकात की और अभिभावक के तौर पर मीडिया में अधिक बयानबाजी न करने की सलाह दी। सौम्या बिंद के अनुसार, मुख्यमंत्री ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने भी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। परिवार की मांग है कि जून महीने के अंत तक आरोपियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाए, केवल आश्वासन नहीं। सौम्या बिंद ने रवि यादव को निर्दोष बताने वालों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि रवि यादव उनके भाई का अपराधी था।

गोंडा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सख्त संदेश, 262 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास, विकास और सुशासन पर जोर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोंडा में आयोजित कार्यक्रम में 256 करोड़ रुपये एवं करनैलगंज में 260 करोड़ रुपये की परियोजनाओं सहित कुल 516 करोड़ रुपये की 262 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ वितरित किया, बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया तथा स्टॉलों का निरीक्षण भी किया।अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय प्रदेश में अराजकता, दंगों और असुरक्षा का माहौल था, जबकि आज उत्तर प्रदेश विकास और सुशासन के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब किसी ने उत्सवों में बाधा डालने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले के समय में त्योहारों और धार्मिक आयोजनों में अड़चनें पैदा की जाती थीं तथा दंगों का माहौल रहता था, लेकिन अब प्रदेश में कानून का राज स्थापित है और हर नागरिक को सुरक्षा का भरोसा मिला है।उन्होंने गोंडा जिले के विकास की चर्चा करते हुए कहा कि पहले यह क्षेत्र पिछड़ेपन और उपेक्षा का शिकार था, लेकिन अब यहां मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, कृषि कॉलेज सहित अनेक शैक्षणिक संस्थान स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब सरकारी नौकरियों में भी बिना भेदभाव युवाओं को अवसर मिल रहे हैं और उत्तर प्रदेश पुलिस की भर्तियों में गोंडा सहित आसपास के जिलों के युवाओं को भी रोजगार मिला है।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अब निवेश केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गोंडा जैसे जिलों में भी निवेश हो रहा है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार के कारण उत्तर प्रदेश में विकास कार्यों की गति तेज हुई है और हर जनपद, तहसील, विकास खंड एवं ग्राम पंचायत तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है।मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि अब रामभक्त अयोध्या जा सकते हैं और यह वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम है कि धार्मिक आस्था का सम्मान सुनिश्चित हुआ है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती, सौर ऊर्जा और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा दिया जा रहा है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि अच्छे प्रतिनिधियों के चयन से ही विकास संभव है और गलत चयन से विकास बाधित होता है। उन्होंने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं है और सरकार लगातार नई परियोजनाओं के माध्यम से जनता के जीवन में सुधार कर रही है।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कई लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया तथा विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण भी किया।इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल को जन्मदिन पर मिला शुभकामनाओं का तांता

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा मुजफ्फरनगर सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कपिल देव अग्रवाल को उनके जन्मदिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित केंद्र एवं राज्य सरकार के अनेक मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों ने हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई संदेश प्रेषित किए।जन्मदिवस के अवसर पर दिनभर शुभकामनाएं देने का सिलसिला जारी रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां पाटेश्वरी मंदिर में किए दर्शन

लखनऊ। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह तुलसीपुर स्थित देवी शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन कर मां की आरती उतारी और प्रदेशवासियों के सुख, स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की।मुख्यमंत्री शुक्रवार को बलरामपुर पहुंचे थे, जहां उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में रात्रि विश्राम किया। शनिवार सुबह उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और उनसे आत्मीय संवाद भी किया।इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों पर आने वाले भक्तों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं सुचारु रूप से संचालित की जाएं।मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों एवं संतों से भी भेंट की और क्षेत्रीय विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इसके पश्चात वे गोंडा के लिए प्रस्थान कर गए। दर्शन-पूजन के दौरान महंत मिथिलेश नाथ योगी, कालीबाड़ी गोरखपुर के महंत रविंद्र दास, विधायक पलटूराम, कैलाश नारायण शुक्ल सहित कई जनप्रतिनिधि एवं संत उपस्थित रहे।

काकोरी क्षेत्र में घर में चोरी की वारदात, चाबी का उपयोग कर अलमारी से कीमती सामान व नकदी ले उड़े चोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना काकोरी क्षेत्र के ग्राम सकरा में बीती रात एक घर में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिए जाने का मामला सामने आया है। घटना में चोरों ने घर की चाबी का उपयोग कर अंदर प्रवेश करते हुए नकदी, आभूषण एवं अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सकरा निवासी नईम पुत्र रसूल बक्स ने पुलिस को सूचना दी कि रात के समय वह अपनी पत्नी नूरजहां के साथ घर की छत पर सो रहे थे, जबकि उनके बच्चे एक विवाह समारोह में गए हुए थे। इस दौरान घर की चाबी सिरहाने रखी हुई थी, जिसका उपयोग कर अज्ञात चोर मकान के पीछे की ओर से छत पर चढ़कर घर के अंदर दाखिल हो गए।बताया गया कि चोरों ने घर के अंदर रखी अलमारी को खोलकर उसमें मौजूद सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन, लगभग 5 हजार रुपये नकद तथा अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। इसके बाद अलमारी को घर से बाहर निकालकर पास स्थित खेत में छोड़ दिया गया।घटना की सूचना मिलने पर थाना काकोरी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर फील्ड यूनिट को बुलाकर वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की कार्रवाई भी कराई गई।पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले के अनावरण एवं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इसके साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

पीएम सूर्य घर योजना को गति देने के निर्देश, पात्र परिवारों तक शीघ्र लाभ पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता : ऊर्जा मंत्री ए .के . शर्मा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत तथा नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक शीघ्रता से पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों, बैंकों एवं वेंडरों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजना के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। सर्किट हाउस सभागार, वाराणसी में आयोजित पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने योजना की प्रगति, उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने वाराणसी जनपद में कार्यरत वेंडरों से सीधे संवाद कर जमीनी स्तर पर आ रही समस्याओं की जानकारी प्राप्त की और उनके त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।मंत्री ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि प्री-कॉन्फिगर्ड मीटरों की स्थापना की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए तथा पहले से स्थापित मीटरों का कॉन्फिगरेशन प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए, ताकि लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रक्रियाओं में देरी योजना की प्रगति को प्रभावित करती है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।बैठक में बैंकों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए। पात्र आवेदकों से केवल आवश्यक दस्तावेज ही लिए जाएं तथा बिना उचित कारण किसी भी आवेदन को निरस्त न किया जाए। उन्होंने कहा कि आसान वित्तीय सहायता ही इस योजना की सफलता का आधार है।मंत्री ने यूपीनेडा के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने अप्रैल एवं मई माह में सौर ऊर्जा स्थापना के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शीर्ष श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय वेंडरों, उपभोक्ताओं, जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के संयुक्त प्रयासों को देते हुए सभी को बधाई दी।उन्होंने कहा कि यह योजना उत्तर प्रदेश को स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रही है। सभी विभागों एवं संस्थाओं को पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए प्रदेश को इस योजना में देश में प्रथम स्थान पर स्थापित करने का लक्ष्य हासिल करना होगा।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के उत्तरदायित्वों का किया पुनर्निर्धारण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने संगठनात्मक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मुख्य उत्तरदायित्व, पर्यवेक्षणीय उत्तरदायित्व तथा प्रशासनिक उत्तरदायित्व का व्यापक पुनर्निर्धारण किया है। इस संबंध में 07 दिसंबर 2022 को जारी कार्यालय ज्ञाप के माध्यम से पूर्व में निर्गत समस्त संबंधित आदेशों को अवक्रमित करते हुए नई व्यवस्था लागू की गई है।जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि वितरण संगठन के कार्यों के प्रभावी संचालन एवं कार्य निष्पादन को अधिक व्यवस्थित बनाने के लिए प्रत्येक स्तर पर कार्यों का दायित्व पुनः निर्धारित किया गया है। इसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है ताकि कार्यों के निष्पादन में किसी प्रकार की अस्पष्टता न रहे और प्रशासनिक व्यवस्था अधिक सुदृढ़ हो सके।कारपोरेशन की ओर से यह भी निर्देशित किया गया है कि निर्धारित उत्तरदायित्वों की जानकारी सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए तथा उनसे इसकी प्राप्ति की लिखित पुष्टि लेकर अभिलेखों में सुरक्षित रखी जाए। इससे विभागीय कार्यप्रणाली में जवाबदेही और अनुशासन को और अधिक प्रभावी बनाने की अपेक्षा की गई है।इस आदेश को उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष द्वारा जारी किया गया है तथा इसकी प्रतिलिपि प्रबंध निदेशक, सभी वितरण निगमों के प्रबंध निदेशकों, निदेशकों, मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं, अधिशासी अभियंताओं सहित समस्त संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं अनुपालन हेतु भेजी गई है।

○ संक्षेप ○

नंद बाबा दुग्ध मिशन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रहा नया आधार, पशुपालकों की आय बढ़ाने पर सरकार का जोर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, किसानों एवं पशुपालकों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने तथा प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के उद्देश्य से संचालित "नंद बाबा दुग्ध मिशन" को एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह मिशन ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार और सहकारिता के विस्तार का प्रमुख माध्यम बनकर उभर रहा है।इस मिशन के तहत उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली स्वदेशी गायों—गिर, साहीवाल, थारपारकर एवं हरियाणा नस्ल—के संरक्षण एवं संवर्धन को प्राथमिकता दी जा रही है। "मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना" के माध्यम से पशुपालकों को इन नस्लों की गायों के पालन हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिसमें महिला पशुपालकों को विशेष प्राथमिकता देते हुए 50 प्रतिशत अनुदान अथवा अधिकतम 80 हजार रुपये तक की सहायता दी जा रही है।सरकारी जानकारी के अनुसार वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बीच अब तक 9255 से अधिक लाभार्थियों को इस योजना का लाभ दिया जा चुका है। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को डेयरी गतिविधियों से जोड़कर स्थायी आय का स्रोत उपलब्ध कराना है।योजना के अंतर्गत केवल पशु क्रय ही नहीं, बल्कि पशु शेड निर्माण, चारा मशीन, साइलेज यूनिट, पशु बीमा, खनिज मिश्रण, पशु आहार एवं अन्य आधुनिक उपकरणों के लिए भी सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन को बढ़ावा मिल रहा है।इस मिशन के तहत न्यूनतम दो स्वदेशी गायों की इकाई निर्धारित की गई है, जिससे छोटे एवं सीमांत पशुपालक भी डेयरी व्यवसाय से जुड़ सकें।

आयुष्मान भारत योजना बनी गरीबों के लिए संजीवनी, बागपत में हजारों परिवारों को मिला नि:शुल्क उपचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लाखों परिवारों के लिए बीमारी लंबे समय से केवल शारीरिक कष्ट नहीं, बल्कि गहरे मानसिक तनाव और आर्थिक असुरक्षा का कारण रही है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना प्रदेश के आम नागरिकों के लिए एक मजबूत स्वास्थ्य सुरक्षा कवच के रूप में उभरकर सामने आई है। यह योजना अब केवल एक सरकारी व्यवस्था नहीं, बल्कि गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए सम्मानपूर्वक और नि:शुल्क उपचार का प्रभावी माध्यम बन चुकी है।इस योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। सरकारी और निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में यह सुविधा मिलने से अब इलाज के लिए आर्थिक बोझ सबसे बड़ी बाधा नहीं रहा। इसके परिणामस्वरूप लोग समय पर उपचार करा पा रहे हैं, जिससे गंभीर बीमारियों और जटिलताओं में भी कमी देखी जा रही है। साथ ही परिवारों को इलाज के लिए कर्ज या संपत्ति गिरवी रखने की मजबूरी से भी राहत मिली है।जनपद बागपत में इस योजना का प्रभाव विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है, जहां हजारों परिवारों ने इसका लाभ प्राप्त किया है। यहां श्वेता, समदीन, सहाना, महरोजा और मनोज कुमार जैसे कई लाभार्थियों ने गंभीर बीमारियों का नि:शुल्क उपचार कराकर नया जीवन पाया है। श्वेता का कूल्हे के जोड़ का सफल ऑपरेशन, समदीन का गुर्दे की पथरी का उपचार और सहाना का एंडिक्स ऑपरेशन इस योजना की सफलता के जीवंत उदाहरण हैं।आंकड़ों के अनुसार जनपद में 97,933 परिवारों के लक्ष्य के सापेक्ष 92,222 परिवारों को योजना से जोड़ा गया है, जबकि 5,12,368 लाभार्थियों के मुकाबले 3,57,900 से अधिक लोग इस योजना का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। यह उपलब्धि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

गाजीपुर में होटल व्यवसायी के पुत्र की हत्या पर अजय राय ने जताया शोक, सरकार पर साधा निशाना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। होटल व्यवसायी आलोक राय के पुत्र स्वर्गीय विनीत राय की हाल ही में अपराधियों द्वारा गोली मारकर की गई हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय गाजीपुर पहुंचे। उन्होंने मृतक के आवास मोहल्ला अष्टभुजी कॉलोनी में पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की और गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया।इस दौरान अजय राय ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार भले ही "जीरो टॉलरेंस" की बात करती हो, लेकिन जमीनी स्तर पर अपराध और हत्याओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।उन्होंने कहा कि मृतक एक युवा होटल व्यवसायी था और पहले भी उसके प्रतिष्ठान पर हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं हो चुकी थीं, बावजूद इसके प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि समय रहते सुरक्षा और सख्त कार्रवाई की गई होती तो यह घटना रोकी जा सकती थी।अजय राय ने यह भी कहा कि प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर लगातार अपराध की घटनाएं हो रही हैं और सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए फर्जी मुठभेड़ों का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है और अपराधियों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं।उन्होंने पीड़ित परिवार की मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और परिवार को उचित न्याय दिलाने की मांग की।इस मौके पर मृतक के परिजनों से बातचीत के दौरान माहौल भावुक रहा और उन्होंने न्याय की गुहार लगाई।

वृन्दावन योजना में मकान बिक्री के नाम पर ₹74 लाख की धोखाधड़ी का खुलासा, दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। थाना पीजीआई एवं मोहनलालगंज पुलिस तथा सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में वृन्दावन योजना क्षेत्र में मकान बेचने के नाम पर लगभग 74 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों अभियुक्तों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।पुलिस के अनुसार, उन्नाव जनपद निवासी गायत्री देवी द्वारा दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया था कि सुनील कुमार शुक्ला, रवि सिंह, सर्वेश कुमार पांडेय, गौरव अवस्थी, विपिन कुमार शुक्ला, रीतू सिंह, कंचनलता उर्फ अंजना सहित अन्य व्यक्तियों ने संगठित गिरोह बनाकर कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से वृन्दावन योजना में मकान बिक्री का झांसा देकर उनसे कुल 73,99,911 रुपये की धनराशि हड़प ली।

विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य ग्राम्य विकास संस्थान में व्यापक वृक्षारोपण अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह अभियान प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग एवं महानिदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान सौरभ बाबू के संरक्षण एवं मार्गदर्शन तथा अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के निर्देशन में संपन्न हुआ।इस अवसर पर संस्थान मुख्यालय सहित इसके अधीन संचालित प्रदेश के 50 क्षेत्रीय एवं जिला ग्राम्य विकास संस्थानों में एक साथ सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। मुख्यालय परिसर में अपर निदेशक सुबोध दीक्षित की अध्यक्षता में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पारंपरिक तथा पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण वृक्षों का रोपण किया।कार्यक्रम में सुबोध दीक्षित ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण और भूजल स्तर को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने बढ़ते शहरीकरण और विकास कार्यों के बीच वृक्षों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक वृक्षारोपण करे और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करे, ताकि वे विकसित होकर पर्यावरण को लाभ पहुंचा सकें।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस अभियान में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। पूरे प्रदेश में एक साथ हुए इस वृक्षारोपण कार्यक्रम को पर्यावरण जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

राज्यस्तरीय कार्यशाला में प्रदेश को बाल श्रम मुक्त बनाने पर मंथन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को बाल श्रम मुक्त बनाने पर गंभीरता से विचार के लिए यहाँ एक होटल में राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में कई ऐसे बिंदुओं पर सहमति बनी जिस पर सभी संस्थाओं ने आगे बढ़ने का संकल्प लिया। ज्वाइनिंग फ़ोर्स इंडिया (जेएँफ़आई), कैम्पेन अंगेस्ट चाइल्ड लेबर, पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति, गोरखपुर और पार्टिसिपेटरी एक्शन फॉर कम्युनिटी एम्पावरमेंट (पेस) के तत्वावधान में चाइल्ड फण्ड इंडिया व बीएमजेड के सहयोग से यह कार्यशाला आयोजित की गयी।

कार्यशाला में पेस संस्था की सचिव राजविंदर कौर ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बाल श्रम उन्मूलन के लिए राज्य एवं जिला स्तर पर किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा करना, विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय बनाना और वर्ष 2026-27 के लिए प्रभावी कार्ययोजना को तैयार करना है। पेस संस्था के निदेशक टी. थॉमसन ने विशेष प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बाल श्रम उन्मूलन के लिए राज्य एवं जिला स्तर पर परियोजना के माध्यम से किये जा रहे प्रयासों को साझा किया। इसके साथ ही देश में बाल श्रम उन्मूलन की राष्ट्रीय नीतियों, कानूनी प्रावधानों और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से राज्य नोडल अधिकारी (बाल श्रम मुक्त) सैयद रिजवान अली ने वर्ष 2027 तक प्रदेश को बाल श्रम मुक्त बनाने की राज्य सरकार की रणनीतियों, लक्ष्यों और जिला स्तर की जिम्मेदारियों के बारे में बताया। इसके अलावा विभिन्न जनपदों के प्रतिनिधियों ने जिला स्तरीय योजनाओं, चुनौतियों एवं नवाचारों को प्रस्तुत किया।

कार्यशाला के दौरान पेस संस्था, विज्ञान फाउंडेशन-लखनऊ, चाइल्ड फण्ड इंडिया, पीजीएसएस गोरखपुर, सेफ सोसाइटी के माध्यम से बाल श्रम उन्मूलन के क्षेत्र में किये गए सफल हस्तक्षेपों और सर्वोत्तम प्रयासों को केस स्टडी के माध्यम से साझा किया गया। विशेषज्ञों ने बाल मित्र ग्राम पंचायतों, बाल संरक्षण समितियों और सामुदायिक निगरानी तंत्र को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्रावस्ती से आये बाल प्रतिनिधि ने अपने अनुभव साझा किये। प्रतिभागियों ने बच्चों की आवाज को नीति निर्माण और स्थानीय कार्ययोजनाओं में शामिल करने की आवश्यकता पर सहमति जताई। पैनल समूह चर्चा के माध्यम से राज्य एवं जनपदों में बाल मजदूरी के वर्तमान आंकड़ों, सरकारी दृष्टिकोण और आगामी सामूहिक रणनीति पर भी गहन चर्चा के साथ भविष्य की योजना भी बनायी गयी। प्रतिभागियों ने बाल श्रम रोकथाम, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुँच बढाने और सामुदायिक भागीदारी को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। कार्यशाला के अंत में पेस संस्था के निदेशक टी. थॉमसन ने कार्यशाला के प्रमुख निष्कर्षों, आगामी कार्य योजनाओं को साझा करते हुए सभी का आभार जताया।

कार्यशाला में कैरिटास की टीम लीडर व बाल अधिकार विशेषज्ञ आशा एक्का, कैम्पेन अंगेस्ट चाइल्ड लेबर के प्रदेश संयोजक प्रतिनिधि राज कुमार, बाल रक्षा भारत से डॉ. संतोष कुमार कौशल, यूनिसेफ से रिजवाना, फिरोजाबाद की बाल संरक्षण अधिकारी अपर्णा कुलश्रेष्ठ, बाल कल्याण समिति श्रावस्ती के अध्यक्ष विश्राम, हरदोई से संतोष सिंह, राजेन्द्र यादव-सीतापुर, शेखर मालाकर स्टेट हेड एसओएस, लीलाधर-श्रम अधिकारी सीतापुर, बाल संरक्षण विशेषज्ञ जे.पी. शर्मा, अभिषेक पाठक-डॉ. शम्भूनाथ रिसर्च संस्था बाराबंकी, बाल श्रम उन्मूलन पर प्रयासरत सामाजिक संगठनों के प्रमुख व प्रतिनिधियों बाल अधिकार कार्यकर्ताओं और बाल प्रतिनिधियों ने सहभागिता की और अपने विचार साझा किये।

जंगल से मानव अवशेष बरामद; हत्या की आशंका, एक अभियुक्त हिरासत में

लखनऊ। थाना संधाना क्षेत्र में दर्ज अपहरण के एक मामले की विवेचना के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। मामले में लापता युवती मानसी (उम्र लगभग 19 वर्ष) के संबंध में जंगल क्षेत्र से मानव अवशेष एवं कपड़े बरामद किए गए हैं, जिसके बाद उसकी हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।जानकारी के अनुसार मानसी पुत्री महेश, निवासी कस्बा एवं थाना संधाना, 25 मई 2026 को अपने घर से ग्राम कुचलयी स्थित महाविद्यालय जाने के लिए निकली थी, लेकिन उसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। परिजनों की तहरीर पर थाना संधाना में धारा 87 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर पुलिस द्वारा उसकी तलाश एवं विवेचना की जा रही थी।विवेचना के दौरान पुलिस को प्राप्त साक्ष्यों और अभियुक्त विशाल पाल पुत्र भन्नू पाल, निवासी ग्राम सरैया, थाना संधाना से पूछताछ के आधार पर टीम थाना बीकेटी क्षेत्रांतर्गत ग्राम देवरई कला के निकट स्थित जंगल क्षेत्र में पहुंची।

तृणमूल कांग्रेस आखिर क्यों टूट टूट कर बिखरने की कगार पर है

तृणमूल कांग्रेस पश्चिमी बंगाल में टूट टूट कर बिखरने को है । यहां तक कि पचास विधायक,15 लोकसभा सांसद और 09राजसभा सांसद, एक आद हजार पार्षद, मेयर, म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के काउंसलर, कोलकाता की पूरी पार्षद दल, विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद घर बैठे हैं और पार्टी द्वारा बुलाए जाने पर भी कार्यक्रमों नहीं जा रहे हैं। अधिकतर लोग भारतीय जनता पार्टी में शामिल होना चाहते हैं परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने तय किया है कि किसी को शामिल नहीं किया जाएगा। यद्यपि सूत्रों माने तो राज्य सभा सांसदों को कुछ रियायत मिलने के संकेत हैं क्योंकि भारतीय जनता पार्टी को राज्य सभा में दो तिहाई बहुमत के लिए 15 सीट चाहिए क्योंकि उसके पास राजग की 148 सीट है।

तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी घर से निकलने हिम्मत नहीं जुटा पा रही है। अभिषेक बनर्जी को ईडी सीबीआई का डर सता रहा है। बताया जाता है अभिषेक बनर्जी के पास 2००करोड़ की नामी बेनामी संपत्ति है।

सरकार के पूर्व मंत्री,कई विधायक,गुंडे, हफ्ता वसूली करने वाले, टोला वाजी करने वाले, बाग्लादेश मुस्लिम,सब परेशान हैं। पूरा बंगाल का रेडी, पटरी, अवैध मकान,जमीन घेरने वाले भाग रहे हैं या सीखचों का इतजार कर रहे हैं। जिसमें मुस्लिम अवैध धंधे बाज़,इनकी तो जैसे समत आ गई है।

टाइम्स ऑफ इंडिया के जयंत घोषाल कहते हैं कि जैसे बंगाल में अनुशासन आ गया है। हावड़ा जंक्शन, कोलकाता, मुर्शिदाबाद, मालदा, वीरभूमि, मेदिनीपुर, बांकुरा, चौबीस परगना, प्रेसीडेंसी कोलकाता,में जमकर अतिक्रमण तोड़े जा रहे है।1978 बाद पहली बार ईद की नवाज़ सड़क पर नहीं हुई बल्कि परेड ग्राउंड में हुई कोई भाषण नहीं किया।किसी भी सड़क पर बंगाल कोई नवाज नहीं हुई । अभी तो मुख्यमंत्री शिवेंदु अधिकारी का पूरा मंत्री मंडल नहीं बना है।

जिस पर ऐसे हालात है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार ने बंगाल को चारसौ कंपनी बीएसएफ की दी है। सुबेंदु प्रतिदिन सुबह चार बजे से रात दो बजे तक सक्रिय है।अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने मुख्यमंत्री शिवेंदु अधिकारी गए थे 1 लाख करोड़ प्रस्ताव सड़क,बिजली,पानी, नेशनल हाइवे, देकर आए जो शायद 15 जून केंद्रीय मंत्री परिषद बैठक में पास होगे। जिसमें शिक्षा का उन्नयन, विश्वविद्यालय,कला संस्कृति, अध्यात्म, पर्यटन,का विशेष पैकेज भी शामिल होगा।

पश्चिमी बंगाल में 1977 में लेफ्ट पार्टियों की सरकार बनी लेफ्ट पार्टियों ने कांग्रेस का दामन किया यहां तक कि पूरा लोकतंत्र का अपहरण कर लिया और विपक्ष को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया।23 वर्ष ज्योति बसु मुख्यमंत्री रहे और 11 वर्ष बुद्धदेव भट्टाचार्य मुख्यमंत्री रहे ।इन वर्षों में लेफ्ट पार्टियों ने बूथ जाम करने का नया तरीका ईजाद किया। लेकिन ममता बनर्जी जैसी जुझारू महिला ने अकेले दम पर 34 साल की लेफ्ट पार्टियों के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर में उखाड़ फेंका। लेकिन ममता बनर्जी 2016 तक तो कुछ हद तक लोकतांत्रिक रही थी लेकिन तुड़मूल ने भी लेफ्ट पार्टियों की तरह काम करना शुरू कर दिया। कट मनी, टोला वाजी, भ्रष्टाचार, भाई भतीजा बाद जम कर किया। लेफ्ट समाप्त होगयी थी ।2016 से पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी जड़े जमाना शुरू कर दिया था। भारतीय जनता पार्टी 2016 विधानसभा चुनाव में मात्र 11 फीसदी वोट लाकर तीन सीट ही जीत सकी।2019 के लोकसभा चुनाव मील का पत्थर साबित हुआ भारतीय जनता पार्टी ने 40 फीसदी वोट लाकर

42 में से 18 सीट जीती थी।2024 लोकसभा में वोट शेयर 39 फीसदी रहा मगर सीट 12 रह गई । 2021के विधानसभा चुनाव को भारतीय जनता पार्टी ने पूरे दम खम से लड़ा और 40 फीसदी वोट लाकर 77 सीट 294 में से जीती यह अदभुत था ।2026 में भारतीय जनता पार्टी ने 46 फीसदी वोट लाकर 207 सीट जीती और ममता बनर्जी युग का अंत कर दिया।

अब ममता बनर्जी की तुड़मूल कांग्रेस के समक्ष अस्तित्व का संकट उत्पन्न हो गया है क्योंकि तुड़मूल विचारधारा की पार्टी नहीं है। उसके लोग पहले सीपीएम सीपीई आरएसपी लेफ्ट पार्टियों में थे।

तृणमूल कांग्रेस अब हर स्तर पर बिखर रही हैं क्योंकि बंगाल में पार्टियों लोग धन कमाने रहते हैं।ये लोग हत्या, लूट, जुआ, अवैध शराब, कट मनी, टोला वाजी,में शामिल रहते हैं।

बंगाल में पिछले 50 वर्षों में इन लोगों ने सभी उद्योग धंधे बंद करा दिए। भारतीय जनता पार्टी एक अनुशासन पार्टी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री शिवेंदु अधिकारी से कहा है कि बंगाल की कला संस्कृति, अध्यात्म, पर्यटन को जिंदा करने का कार्य करो।

हरित विकास, जल संरक्षण और जनभागीदारी से पर्यावरणीय समृद्धि की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

डॉ. दानेश्वरी संभाकर

प्राकृतिक संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल है, जहां पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

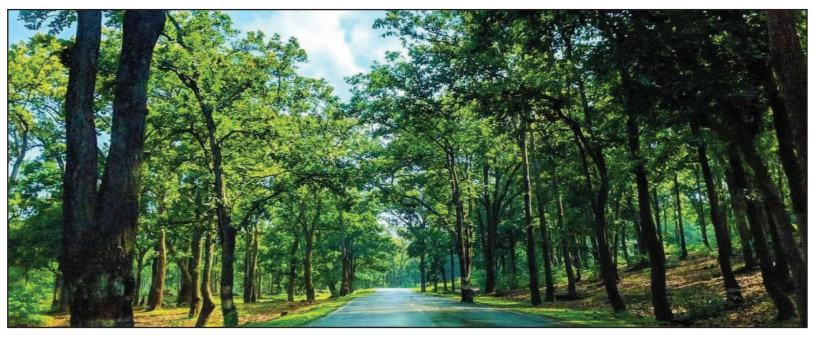

प्रकृति केवल हमारे जीवन का आधार नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और भविष्य की संरक्षक भी है। स्वच्छ वायु, निर्मल जल, घने वन और समृद्ध जैव विविधता किसी भी सभ्य समाज की अमूल्य धरोहर होते हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव के इस दौर में पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। इसी उद्देश्य से प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है, जो हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है।

प्राकृतिक संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल है, जहां पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य के विशाल वन क्षेत्र, समृद्ध जैव विविधता और जल संसाधन इसकी पर्यावरणीय पहचान हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार हरित विकास, जल संरक्षण और जनभागीदारी को केंद्र में रखकर अनेक योजनाओं का सफल संचालन कर रही है।

छत्तीसगढ़ में वृक्षारोपण को केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की आय से भी जोड़ा गया है। हरियाली प्रसार योजना और किसान वृक्ष मित्र योजना के माध्यम से किसानों को कृषि वानिकी के लिए पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा उन्हें अपनी भूमि पर वृक्ष लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे एक ओर हरित क्षेत्र का विस्तार हो रहा है तो दूसरी ओर किसानों को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संचालित ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को जनभावनाओं से जोड़ने का कार्य किया है। इस अभियान के माध्यम से लाखों नागरिक अपनी मां के सम्मान में पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। यह पहल पर्यावरणीय जिम्मेदारी को सामाजिक आंदोलन का स्वरूप प्रदान कर रही है।

तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। इस दिशा में ऑक्सीवन योजना के तहत शहरों में ऑक्सीजन पार्क और हरित क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। वहीं पर्यावरण वानिकी योजना के माध्यम से सड़क किनारे वृक्षारोपण, पर्यावरण पार्कों का निर्माण तथा सार्वजनिक स्थलों का हरित विकास किया जा रहा है। ये प्रयास न केवल प्रदूषण नियंत्रण में सहायक हैं, बल्कि नागरिकों को बेहतर जीवन गुणवत्ता भी प्रदान कर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखते हुए जल संरक्षण आज सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस दिशा में कई अभिनव पहलें की हैं। मोर गांव मोर पानी और मोर गांव मोर तरिया जैसे अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण की नई चेतना पैदा कर रहे हैं। परंपरागत तालाबों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन, चेक डैम निर्माण और जल पुनर्भरण संरचनाओं के विकास से भूजल स्तर में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्य में भूजल एवं जल संरक्षण कार्यक्रमों के तहत जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष बल दिया जा रहा है। जल सुरक्षा की यह सोच आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित भविष्य की नींव रख रही है। प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए नदी तट वृक्षारोपण योजना के अंतर्गत नदी किनारों पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जा रहा है। इससे मिट्टी के कटाव पर नियंत्रण, भूजल संवर्धन और जैव विविधता संरक्षण में मदद मिल रही है।

इसी प्रकार आर्द्र भूमि (वेटलैंड) जलवायु अनुकूलन परियोजना के तहत महानदी जलग्रहण क्षेत्र में आर्द्रभूमियों के संरक्षण और पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है। यह पहल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और प्राकृतिक जल तंत्र को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पर्यावरण संरक्षण की सफलता जन-जागरूकता और जनभागीदारी पर निर्भर करती है। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय हरित कोर योजना (नेशनल ग्रीन कॉर्प्स) तथा ईको-क्लब कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूलों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को पर्यावरणीय गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण और जैव विविधता संरक्षण संबंधी कार्यक्रमों के जरिए बच्चों और युवाओं में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित की जा रही है।

पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है। इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। एक पौधा लगाना, जल की बचत करना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना और स्वच्छता बनाए रखना ऐसे छोटे-छोटे कदम हैं जो बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह संदेश देता है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। छत्तीसगढ़ आज हरियाली, जल संरक्षण और जनभागीदारी आधारित विकास मॉडल के माध्यम से इसी संतुलित दृष्टिकोण को साकार कर रहा है। यदि हम सभी प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को समझें और पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, हरित और सुरक्षित पृथ्वी सौंप सकेंगे।

धरती हमें विरासत में नहीं मिली है, बल्कि हमने इसे आने वाली पीढ़ियों से उधार लिया है। इसलिए पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

लेखक उपसंचालक, जनसंपर्कहैं

टिप्पणी

आत्म-निरीक्षण का विषय

विदेश मंत्री एस. जयशंकर के लिए यह आत्म-निरीक्षण का विषय होना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मसलों में आज भारत की कोई भूमिका क्यों नहीं बची है? फिर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्यों अलग-थलग नजर आया?

जब ये साफ हो गया कि प्रधानमंत्री भाग नहीं लेंगे, तो ईरान युद्ध पर बुलाई गई सर्वदलीय महज रस्म-अदायगी भर रह गई। ऐसी बैठकों की तभी अहमियत होती है, जब उनका मकसद उत्पन्न परिस्थिति पर पूरी पारदर्शिता बरतते हुए सभी पक्षों के बीच आम-सहमति बनाना होता है। ऐसा तभी हो सकता है, जब देश के शीर्ष नेता बैठक में उपस्थित रहें। और सिर्फ तभी किसी संकट काल में पूरा देश एक स्वर में बोल सकता है। बहरहाल, नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में ऐसी राष्ट्रीय एकजुटता दुर्लभ होती चली गई है। नतीजतन, सर्वदलीय बैठकें सियासी नैरेटिव को प्रचारित करने का एक और मौका बन जाती हैं।

यही हाल पश्चिम एशिया में युद्ध पर बुलाई गई बैठक का हुआ। विपक्ष ने उसे अपने इस कथानक को बल देने का अवसर बनाया कि मोदी सरकार की कूटनीतिक विफलताओं ने भारतीय आवाम को गहरी मुसीबत में डाल दिया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भारत अप्रासंगिक होता जा रहा है। इसी सिलसिले में पाकिस्तान के मध्यस्थ बन कर उभरने की चर्चा हुई। तो उस पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हैरतअंगेज टिप्पणी की।

उन्होने कहा कि भारत पाकिस्तान की तरह दलाली नहीं कर सकता! अमेरिका ने पाकिस्तान को क्यों मध्यस्थ बनाया और ये भूमिका स्वीकार कर पाकिस्तान ने क्या जोखिम मोल लिए हैं, ये दीगर सवाल हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता को दलाली बताना अपनी विदेश नीति की घोर विफलता से पैदा हुए असंतोष का ही इज़हार समझा जाएगा। वरना, कोरिया युद्ध, कॉन्गो युद्ध, श्रीलंका के गृह युद्ध आदि में मध्यस्थता का भारत के बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। यहां तक कि यूक्रेन युद्ध में प्रधानमंत्री मोदी ने संवाद और कूटनीतिक समाधान के संदेश दोनों पक्षों को दिए। अतः जयशंकर के लिए यह आत्म-निरीक्षण का विषय होना चाहिए कि आज अंतरराष्ट्रीय मसलों में भारत की कोई भूमिका क्यों नहीं है? बात यहीं तक नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह अलग-थलग नजर आया, वह हालिया तजुर्बा है। इन सवालों पर गौर करने के बजाय दलाल ना होने का झूठा फ़ख्र किसी काम का नहीं है। उससे भारतीय जनमत के सिर्फ एक हिस्से को ही बहलाया जा सकता है।

ब्लॉग

विकास की अंधी दौड़ में दम तोड़ता पर्यावरण

योगेश कुमार गोयल

पर्यावरण की रक्षा और प्रकृति के उचित दोहन को लेकर हालांकि यूरोप, अमेरिका तथा अफ्रीकी देशों में 1910 के दशक से ही समझौतों की शुरूआत हो गई थी किन्तु बीते कुछ दशकों में दुनिया के कई देशों ने इसे लेकर क्योटो प्रोटोकाल, मांट्रियल प्रोटोकाल, रियो सम्मलेन जैसे कई बहुराष्ट्रीय समझौते किए हैं।

पर्यावरण प्रदूषण वर्तमान समय में सबसे बड़ी वैश्विक समस्या है। पिछले तीन दशकों से महसूस किया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण से ही जुड़ी है। मानवीय क्रियाकलापों के कारण प्रकृति में लगातार बढ़ते दखल के कारण पृथ्वी पर बहुत से प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हुआ है। आधुनिक जीवनशैली, पृथ्वी पर पेड़-पौधों की कमी, पर्यावरण प्रदूषण का विकराल रूप, मानव द्वारा प्रकृति का बेदर्दी से दोहन इत्यादि कारणों से मानव और प्रकृति के बीच असंतुलन की भयावह खाई उत्पन्न हो रही है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित वातावरण के बढ़ते खतरे हम अब लगातार अनुभव कर रहे हैं। इसीलिए पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 5 जून को पूरी दुनिया में 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए यह दिवस मनाने की घोषणा की गई थी और पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 को मनाया गया था। विश्व पर्यावरण दिवस का वर्ष 2026 का विषय 'प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।'

पर्यावरण की रक्षा और प्रकृति के उचित दोहन को लेकर हालांकि यूरोप, अमेरिका तथा अफ्रीकी देशों में 1910 के दशक से ही समझौतों की शुरूआत हो गई थी किन्तु बीते कुछ दशकों में दुनिया के कई देशों ने इसे लेकर क्योटो प्रोटोकाल, मांट्रियल प्रोटोकाल, रियो सम्मलेन जैसे कई बहुराष्ट्रीय समझौते किए हैं। अधिकांश देशों की सरकारें पर्यावरण को लेकर चिंतित तो दिखती हैं लेकिन पर्यावरण की चिंता के बीच कुछ देश अपने हितों को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण की नीतियों में बदलाव करते रहे हैं। प्रदूषित वातावरण का खामियाजा केवल मनुष्यों को ही नहीं बल्कि धरती पर विद्यमान प्रत्येक प्राणी को भुगतना पड़ता है। बड़े पैमाने पर प्रकृति से खिलवाड़ के ही कारण दुनिया के विशालकाय जंगल हर साल सुलगने लगे हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को खरबों रुपये का नुकसान होने के अलावा दुर्लभ जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियां भी भीषण आग में जलकर राख हो जाती हैं। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान दुनियाभर में पर्यावरण की स्थिति में सुधार देखा गया था, जिसने बता दिया था कि अगर हम चाहें तो पर्यावरण की स्थिति में काफी हद तक सुधार किया जा सकता है लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपेक्षित कदम नहीं उठाए जाते। न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में निरन्तर हो रही बढ़ोतरी और मौसम का लगातार बिगड़ता मिजाज गहन चिंता का विषय बना है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया है कि धरती में रह-रहकर जो उथल-पुथल की प्राकृतिक घटनाएं घट रही हैं, उनके पीछे छिपे संकेतों और प्रकृति की मूक भाषा को समझना कितना जरूरी है। आधुनिकरण और औद्योगिकीकरण की दौड़ में हमने हर पल प्रकृति की नैतिक सीमाओं का उल्लंघन किया है और ये सब प्रकृति के साथ इंसान की ज्यादतियों का ही नतीजा हैं, जिसके भयावह परिणाम हमारे सामने हैं।

मानवीय क्रियाकलापों के कारण ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है कि हमें सांस के जरिये असाध्य बीमारियों की सौगात मिल रही है। सीवरेज की गंदगी स्वच्छ जल स्रोतों में छोड़ने की बात हो या औद्योगिक इकाईयों का अम्लीय कचरा नदियों में बहाने की अथवा सड़कों पर रेंगती वाहनों की लंबी-लंबी कतारों से वायुमंडल में घुलते जहर की या फिर सख्त अदालती निर्देशों के बावजूद खेतों में जलती पराली से हवा में घुलते हजारों-लाखों टन धुएं की, हमारी आंखें तब तक नहीं खुलती, जब तक प्रकृति का बड़ा कहर हम पर नहीं टूट पड़ता। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया गया है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है।

प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें निरन्तर चेतावनियां देती रही है कि यदि हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है लेकिन हम हर बार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखने के बावजूद प्रकृति की इन चेतावनियों को नजरअंदाज कर खुद अपने विनाश को आमंत्रित कर रहे हैं। यदि दुनियाभर में पर्यावरण प्रदूषण की विकराल होती वैश्विक समस्या को देखें तो स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे शायद हम कुछ करना ही नहीं चाहते। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक' में बताया गया है कि पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के कारण दुनियाभर में लोग तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है। प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं?

यूपी में 4 कत्ल में नया मोड़: अभिषेक बेदखल था तो घर में रहकर कैसे चला रहा था दुकान? पड़ोसियों ने खोला बड़ा राज

दोनों ने बीयर और सिगरेट पी

रविवार दोपहर अभिषेक ने शनि को अपनी दुकान पर बुलाया। दोनों ने साथ बैठकर कचौड़ी खाई। बीयर और सिगरेट पी। इस दौरान परिवार की हत्या कर जेवर लूटने की साजिश रची। शाम करीब पांच बजे रोजाना की तरह मीनाक्षी नीचे दुकान खोलने आई। जैसे ही उसने सीढ़ियों का दरवाजा खोला, अभिषेक ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार कर दिया। शनि ने उसे धक्का दिया और दोनों उसे घसीटते हुए ऊपर ले गए। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बहन की हत्या के बाद दोनों ऊपर कमरे में पहुंचे। वहां पिता वीरेंद्र और मां अनीता दोनों सो रहे थे। आरोपियों ने उन पर भी लोहे की रॉड और पाइप से ताबड़तोड़ वार किए। सिर पर गंभीर चोट लगने से दोनों की मौत हो गई। इसके बाद दोनों ने अलमारी खंगाली और घर में रखे जेवर और कीमती सामान समेट लिए। वहीं, जांच में पता चला की शनि के बाल व डाढ़ी काफी लंबे थे घटना के बाद उसने पहचान छुपाने की नियत से बाल व डाढ़ी का कटवा दिया। साथ ही शव को बाहर निकालते वक्त आरोपी ने खुद भी मदद की थी। इस दौरान उसके हाथों में पट्टी बंधी थी जो हत्या के दौरान उसे चोट लगी थी, जब पुलिस ने पूछा तो उसने बताया कि उसे कुत्ते ने काट लिया था।

मार्केट में पसरा सन्नाटा, चौथे दिन भी हर किसी की जुबां पर रही हत्या की चर्चा

साउथ मलाका में कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य, उनकी पत्नी अनीता वैश्य, बेटी मीनाक्षी वैश्य और बेटे अभिषेक वैश्य की हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। चौथे दिन भी इलाके में हालात सामान्य नहीं हो सके। जिस मार्केट में रोज सुबह से देर रात तक ग्राहकों और व्यापारियों की चहल पहल रहती थी वहां अब तक सन्नाटा पसरा हुआ है। कई दुकानें बंद रहीं, जबकि खुली दुकानों पर भी कारोबार प्रभावित दिखाई दिया। स्थानीय लोग छोटे-छोटे समूहों में खड़े होकर पूरे घटनाक्रम पर चर्चा करते दिखाई दिए। हर किसी के मन में यही सवाल था कि आखिर एक ही परिवार के चार सदस्यों की इतनी बेरहमी से हत्या कैसे कर दी गई।

घटनास्थल को देखने पहुंच रहे लोग

सील किए गए मकान के बाहर लोगों की भीड़ लगातार जुट रही है। दूसरे इलाकों से भी लोग घटनास्थल को देखने पहुंच रहे हैं। हालांकि पुलिस किसी को भी परिसर के भीतर जाने की अनुमति नहीं दे रही है। मकान के बाहर बैरिकेडिंग और पुलिस की निगरानी जारी है। जिस परिवार को लोग वर्षों से जानते थे, उसके चार सदस्यों की एक साथ हत्या की खबर आज भी लोगों को स्तब्ध कर रही है।

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज के साउथ मलाका में वैश्य परिवार हत्याकांड की जांच के बीच अब बेटे अभिषेक की कथित बेदखली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। दावा था कि वर्ष 2022 में कारोबारी वीरेंद्र वैश्य ने अपने बेटे अभिषेक को संपत्ति से बेदखल कर दिया था।

पड़ोसियों में चर्चा है कि अभिषेक वर्षों से उसी मकान में रह रहा था। घर पर ही अपनी दुकान भी चलाता था। वह रोजाना घर आता-जाता था। परिवार के साथ ही रहता था। यदि उसे संपत्ति से बेदखल कर दिया गया था तो फिर वह उसी मकान में किस हैसियत से रह रहा था? परिवार में मतभेद और विवाद की बातें जरूर सुनने को मिलती थीं लेकिन अभिषेक को घर से निकाले जाने या उसके बेदखल होने की चर्चा कभी सार्वजनिक रूप से नहीं हुई। अभिषेक मकान के निचले हिस्से में स्थित एक दुकान से फ्लोर क्लीनर, टॉयलेट क्लीनर, लिक्विड डिटर्जेंट और अन्य उत्पादों का कारोबार करता था।

जांच में खुल सकते हैं नए तथ्य

पुलिस अब संपत्ति से जुड़े दस्तावेज, सहित अन्य दस्तवेजों की पड़ताल कर रही है। साथ ही यह समझने का प्रयास कर रही हैं कि पिता-पुत्र के बीच विवाद की वास्तविक स्थिति क्या थी?

अश्विनी की बेदखली की चर्चा जरूर थी

चर्चा है कि छोटे बेटे अश्विनी को संपत्ति से बेदखल किए जाने की जानकारी जरूर थी। करीब 15-20 वर्ष पहले अश्विनी ने परिवार की मर्जी के खिलाफ प्रेम विवाह कर लिया था। इस पर वीरेंद्र वैश्य ने उसे संपत्ति से बेदखल कर दिया था।

कारोबार भी बना चर्चा का विषय

अभिषेक आर्थिक रूप से संघर्ष जरूर कर रहा था, लेकिन उसका कारोबार पूरी तरह बंद नहीं था। वह अपनी दुकान से उत्पादों की बिक्री करता था। एजेंसी से माल भी मंगवाता था। पुलिस भी अब उसके आर्थिक लेन-देन, कर्ज और कारोबार की वास्तविक स्थिति की जांच कर रही है। चर्चा यह भी है कि जिस व्यक्ति को कथित रूप से संपत्ति से बेदखल किया गया था, उसे परिवार की मार्केट में दुकान संचालित करने की अनुमति क्यों मिली हुई थी? यही सवाल अब जांच का हिस्सा बनता जा रहा है।

मार्केट में नहीं लौटी रौनक स्थानीय

लोगों का कहना है कि हत्याकांड के बाद पूरे बाजार का माहौल बदल गया है। जिन दुकानों पर रोज ग्राहकों की भीड़ लगी रहती थी, वहां अब सन्नाटा दिखाई दे रहा है। कई दुकानदार घटना के बाद से मानसिक रूप से परेशान हैं। कुछ लोगों का कहना है कि जिस भवन में चार हत्याएं हुई, उसके आसपास जाने से भी लोग हिचक रहे हैं।

खुलासे के बाद भी चर्चा कम नहीं

आरोपी शनि गुप्ता की गिरफ्तारी और हत्याकांड के खुलासे के बाद भी लोगों की जिज्ञासा कम नहीं हुई है। कई लोग यह मानने को तैयार नहीं हैं कि इतने बड़े अपराध को केवल दो लोगों ने अंजाम दिया होगा। पुलिस जांच के हर नए पहलू पर लोगों की नजर बनी हुई है।

प्रयागराज सामूहिक हत्याकांड में पुलिस ने किया था ये खुलासा

प्रयागराज के साउथ मलाका सब्जी मंडी चौराहा स्थित मकान में कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य, उनकी पत्नी अनीता, बेटी मीनाक्षी और बेटे अभिषेक की हत्या की गुत्थी पुलिस ने 12 घंटे में सुलझा ली। पुलिस का दावा है कि बड़े बेटे अभिषेक ने घर में लूट के इरादे से अपने दोस्त शनि गुप्ता के साथ मिलकर माता-पिता और बहन की हत्या की थी। बाद में डेढ़ करोड़ रुपये के जेवरात के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में शनि ने अभिषेक को भी मौत के घाट उतार दिया। पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने बुधवार को प्रेसवार्ता कर घटना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मुट्ठीगंज निवासी आरोपी शनि को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके कब्जे से एक किलो सोना, 360 ग्राम चांदी, एक हजार रुपये नकदी और ताले की चाभी बरामद की है।

वारदात रविवार शाम पांच से छह बजे के बीच अंजाम दी गई। आरोपी शनि ने पूछताछ में बताया कि अभिषेक पिता से नाराज था। पुलिस आयुक्त के मुताबिक, वर्ष 2022 में पिता ने अभिषेक को भी संपत्ति से बेदखल कर दिया था। अभिषेक कर्ज में डूबा था।

दिल्ली–देहरादून हाईवे पर भीषण हादसा, ट्रक ने बाइक को रौंदा, बच्चे समेत तीन लोगों की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के छपार क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में एक महिला, एक पुरुष और लगभग आठ वर्षीय बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह के समय एक महिला, पुरुष बच्चे को लेकर बाइक पर सवार होकर रामपुर तिराहे की ओर से छपार की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान सिसौना मार्ग के पास उनकी मोटरसाइकिल की एक ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद तीनों सड़क पर गिर गए और ट्रक की चपेट में आ गए। हादसा इतना भयावह था कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

चालक ट्रक छोड़कर फरार

दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर छपार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पहचान में जुटी पुलिस

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मृतकों के पास कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मिले हैं। दुर्घटना में उनका मोबाइल भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे पहचान स्थापित करने में कठिनाई हो रही है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि तीनों के बीच क्या संबंध था।

शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जनपद की सभी तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील शाहगंज में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं।अधिकारियों ने प्राप्त शिकायतों और प्रार्थना पत्रों का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों को गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकर्ता को संतोषजनक न्याय मिले।जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने राजस्व एवं पुलिस विभाग से जुड़े मामलों में बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई करने पर जोर दिया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और जनसमस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मछलीशहर तहसील सभागार में अपर जिलाधिकारी (भू-राजस्व) अजय कुमार अंबष्ट की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 115 शिकायतें प्राप्त हुईं, लेकिन मौके पर एक भी शिकायत का निस्तारण नहीं हो सका।प्राप्त शिकायतों में भूमि संबंधी मामलों की संख्या सर्वाधिक थी। समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना होता है, लेकिन इस बार कोई भी शिकायत मौके पर हल नहीं हो पाई। उपजिलाधिकारी अजय कुमार उपाध्याय, क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा, प्रभारी तहसीलदार हुसैन अहमद सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूटी में पेट्रोल डालते आग, दो युवतियां झुलसीं

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। थाना लाइन बाजार क्षेत्र के रामदयालगंज में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। स्कूटी में पेट्रोल डालते समय अचानक आग लगने से दो युवतियां गंभीर रूप से झुलस गईं। दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।बताते है कि 27 वर्षीय फरीन पुत्री वसीम निवासी सरोखनपुर, बदलापुर तथा उसकी 24 वर्षीय सीता पुत्री राजेश चैहान निवासी रामदयालगंज, थाना लाइन बाजार सहेली हैं। फरीन मुंगराबादशाहपुर स्थित एक निजी अस्पताल में नर्स के पद पर कार्यरत है और छुट्टी के दौरान अपनी सहेली सीता से मिलने उसके घर आई थी।शनिवार सुबह फरीन अपनी ड्यूटी पर लौटने के लिए स्कूटी से निकलने वाली थी। इसी दौरान

स्कूटी का पेट्रोल समाप्त हो गया। घर में पहले से रखे पेट्रोल को वह स्कूटी में डाल रही थी, तभी अचानक आग भड़क उठी। आग की चपेट में आने से फरीन गंभीर रूप से झुलस गई। उसे बचाने के प्रयास में सीता भी आग की चपेट में आकर झुलस गई।घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजनों और स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों युवतियों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

हर माह की सात तारीख को आएगा बिजली बिल, सात दिन में करना होगा भुगतान, वरना उसके सात दिन बाद लाइट गुल

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ जिले के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह जरूरी जानकारी है। मई माह के बिजली बिल सात जून को जारी किए जाएंगे। शासन ने प्रत्येक माह की सात तारीख को बिल जारी करने की व्यवस्था की है।

इस व्यवस्था के तहत जिले में लगे करीब स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को बिल उपलब्ध कराए जाएंगे। बिल जारी होने के बाद उपभोक्ताओं को भुगतान के लिए सात दिन का समय मिलेगा। भुगतान की अंतिम तिथि 14 जून निर्धारित की गई है। निर्धारित अवधि में बिल जमा न करने पर विद्युत आपूर्ति 21 जून से विच्छेदित हो सकती है। स्मार्ट मीटर प्रणाली में घर-घर बिल वितरण नहीं होता है। उपभोक्ताओं को अपना बिल

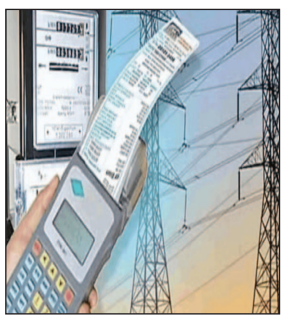

यूपीपीसीएल की मोबाइल एप से प्राप्त करना होगा। वे विभागीय काउंटरों से भी बिल ले सकते हैं। विभाग ने समय पर बिल डाउनलोड कर भुगतान करने की अपील की है।

ऐसे मिलेगा बिजली बिल

स्मार्ट मीटर उपभोक्ता अपना बिजली बिल ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए यूपीपीसीएल की मोबाइल एप का उपयोग किया जा सकता है। उपभोक्ता विभागीय काउंटरों पर जाकर भी अपना बिल ले सकते हैं। घर-घर बिल वितरण की व्यवस्था अब लागू नहीं है। यह नई प्रणाली उपभोक्ताओं को सुविधा प्रदान करती है।

समय पर भुगतान के लाभ

समय पर बिल का भुगतान न करने पर विलंब शुल्क लग सकता है। साथ ही, विद्युत आपूर्ति बाधित होने जैसी समस्या भी उत्पन्न हो सकती है। इन परेशानियों से बचने के लिए उपभोक्ताओं को सतर्क रहना चाहिए। विभाग ने सभी से समय पर बिल डाउनलोड करने और भुगतान करने का आग्रह किया है। इससे निर्बाध विद्युत सेवा सुनिश्चित होगी।

डायरिया रोको अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं निजी अस्पताल

» निजी अस्पताल व नर्सिंग होम जरूर स्थापित करें ओआरएस कॉर्नर

» बैठक में निजी अस्पतालों व नर्सिंग होम के प्रतिनिधियों ने लिया भाग

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा। डायरिया रोकथाम और प्रबंधन में निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम की भूमिका पर विचार-विमर्श को लेकर शुक्रवार की देर शाम इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के सभागार में सार्वजनिक निजी सहभागिता (पब्लिक प्राइवेट इंटरफेस) की बैठक हुई। बैठक में डायरिया रोको अभियान की तैयारियों पर चर्चा हुई और निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों से अपील की गई कि वह अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के साथ ही अपने-अपने अस्पताल में जल्द से जल्द ओआरएस कॉर्नर की स्थापना करें। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) के सहयोग से आयोजित बैठक में आईएमए अध्यक्ष और 11 निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता व उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस मौके पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) अमरनाथ ने डायरिया रोको अभियान की कार्ययोजना साझा की। पीएसआई इंडिया के पंकज पाठक ने "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। डायरिया रोको अभियान में निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भूमिका पर भी चर्चा की। अपर शोध अधिकारी (एआरओ) चन्दन श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को ओआरएस का स्टॉक शासकीय स्रोतों से मुहैया कराया जाएगा। उन्होंने सभी निजी सेवा प्रदाताओं/ प्रतिनिधियों को आवश्यकतानुसार ओआरएस की मांग प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में आंकड़ों के संकलन एवं रिपोर्टिंग प्रणाली को सुदृढ़ करने पर भी चर्चा हुई। एआरओ अरुण श्रीवास्तव ने सुझाव दिया कि निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं द्वारा डाटा संकलन हेतु एक गूगल शीट का उपयोग किया जाए, जिसे व्हाट्सएप समूह में साझा किया जाये। बैठक में आईईसी सामग्री के प्रदर्शन एवं ओआरएस कॉर्नर की स्थापना पर भी चर्चा हुई । सभी निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं द्वारा पीएसआई इंडिया के सहयोग से अपने संस्थानों में ओआरएस कॉर्नर स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की गई। आईएमए अध्यक्ष डॉ. एस.के. मिश्रा द्वारा ओआरएस एवं जिंक के उपयोग एवं महत्व पर विशेष जोर दिया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों ने डायरिया रोको अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समन्वय एवं सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

20 साल पहले शादी, प्रेमी संग पति का कत्ल, यहां गाड़ दी लाश, 3 माह बाद मिला कंकाल, ओमकार हत्याकांड की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। कांट के लिंथरा गांव में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने हिस्ट्रीशीटर पति ओमकार की हत्या कर दी थी। पत्नी ओमा भारती और उसके प्रेमी नन्हे ने पैर से गर्दन दबाकर उसे मार डाला। इसके बाद नन्हे ने अपने बगीचे में शव को गाड़ दिया। वारदात के साढ़े तीन माह बाद पुलिस ने इसका खुलासा किया है।

एसपी सिटी देवेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार को आरोपियों की निशानदेही पर शव बरामद कर डीएनए जांच के लिए भेज दिया गया। ओमकार को प्रेम संबंधों की जानकारी होने के बाद ओमा और नन्हे ने उसे रास्ते से हटाने का फैसला किया था। मानपुर मलिकापुर गांव निवासी सत्यवीर सिंह ने 6 मार्च को अपने

भाई ओमकार सिंह की गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

बताया था कि ओमकार 23 फरवरी को तिलहर न्यायालय में एक मुकदमे की तारीख पर जाने के लिए घर से निकला था। इसके बाद वापस नहीं आया। जांच के दौरान चार जून को सत्यवीर सिंह ने अपने भाई के अपहरण की आशंका जताते हुए कांट के गांव लिंथरा निवासी नन्हे और अपनी भाभी ओमा भारती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू की। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो सामने आया कि ओमा भारती और नन्हे के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे। दोनों के संबंधों की जानकारी होने पर ओमकार इसका विरोध करता था। ओमकार पर कई मुकदमे दर्ज थे जिसकी वजह से दोनों को लगता था कि वह उन लोगों की हत्या कर देगा। इसके बाद दोनों ने मिलकर ओमकार को रास्ते से हटाने की साजिश रची।

एसपी सिटी ने बताया कि घटना वाले दिन ओमकार को नन्हे के बगीचे में बुलाया गया। वहां उसे शराब पिलाई गई। जब वह नशे की हालत में था तक उसके गले पर पैर रखकर दबा दिया। फिर शव को बाग में ही केले के पेड़ के नीचे गड्ढा खोदकर दफन कर दिया।

20 साल पहले हुई थी ओमकार और ओमा की शादी

ओमकार की शादी करीब 20 साल पूर्व सेहरामऊ दक्षिणी के ही गांव दिबियापुर की ओमा भारती के साथ हुई थी। उनके दो बच्चे हैं। बेटे की उम्र तकरीबन 14 और बेटी की उम्र तकरीबन 12 साल है। परिजनों के अनुसार, ओमा भारती कांट के लिंथरा गांव में अपनी बड़ी बहन के घर जाती थी। वहीं उसकी मुलाकात नन्हे से हुई थी।

ओमकार पर दर्ज थे आठ मुकदमे

ओमकार के ऊपर विभिन्न थानों में करीब आठ मुकदमे दर्ज थे। सेहरामऊ दक्षिणी थाने में एक हत्या का मुकदमा दर्ज था तो तिलहर थाने में हत्या के प्रयास व डकैती की धारा में मुकदमा दर्ज था। शहर के थाना सदर बाजार में हत्या के प्रयास, लूटपाट व गैंगस्टर की धारा में मुकदमा दर्ज था। सेहरामऊ दक्षिणी पुलिस ने उसकी हिस्ट्रीशीट खोल रखी थी।

पुलिस के सामने दोनों ने पूरा घटनाक्रम कबूला

शुक्रवार को एसपी सिटी के सामने पेश की गई ओमा के चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी। वहीं, ओमकार के कंकाल को देख भाइयों की आंख से आंसू बह निकले। ओमकार की बहन ज्ञाना देवी व रीना भी रोते-रोते बेहाल हो गईं।

युवक पर जानलेवा हमला,एसपी से लगाई न्याय की गुहार

जौनपुर। खेतासराय थाना क्षेत्र के मनेछा गांव निवासी एक युवक ने गांव के ही कई लोगों पर दिनदहाड़े जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि घटना की लिखित शिकायत थाना खेतासराय में देने के बावजूद अब तक न तो मुकदमा दर्ज किया गया और न ही आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की गई, जिससे पीड़ित परिवार में भय और आक्रोश व्याप्त है।पीड़ित हर्षित कुमार पुत्र महेन्द्र प्रसाद के अनुसार वह 5 जून को दोपहर करीब एक बजे मनेछा फुरफुरी नगर बाजार में घरेलू सामान खरीदने गया था। आरोप है कि उसी दौरान गांव के कुछ नामजद और अन्य अज्ञात लोगों ने उसे घेर लिया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जान बचाने के लिए भाग रहे युवक को हमलावरों ने करीब 300 मीटर तक दौड़ाया और डिगवां-चक्साग्यास मार्ग के पास फिर से घेरकर बेरहमी से पीटा।

अक्सर बना रहता है सिर में दबाव और दर्द? कहीं ये टीटीएच की समस्या तो नहीं

ऑफिस का दबाव, नींद की कमी, मोबाइल और लैपटॉप स्क्रीन पर घंटों समय बिताने के चलते लोगों में कई तरह की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। क्या आपको भी बार-बार सिर में दर्द होता रहता है? क्या आप जानते हैं कि हर बार दर्द होना सामान्य नहीं है?

क्या आप भी अक्सर सिर में दर्द से परेशान रहते हैं, ऐसा लगता है जैसे सिर को किसी ने तेजी से जकड़ रखा हो? अगर हां तो आप ऐसा महसूस करने वाले अकेले नहीं हैं। दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोग रोजाना इस समस्या से दो-चार हो रहे होते हैं।

लगातार सिर में एक भारीपन सा बना रहना सभी उम्र के लोगों में देखी जाने वाली समस्या है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ऑफिस के दबाव के साथ नींद की कमी, बढ़े हुए स्क्रीन टाइम, रिश्तों के तनाव और लगातार मानसिक थकान ने इस खतरे को काफी बढ़ा दिया है। अगर आप भी इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज करते आ रहे हैं तो सावधान हो जाइए, कई बार इस तरह का सिरदर्द, टीटीएच यानी टेंशन टाइप हेडेक का संकेत हो सकता है।

अगर आप भी इस समस्या से परेशान रहते हैं तो आइए जान लेते हैं कि टीटीएच होता क्या है और इसके खतरे को कैसे कम किया जा सकता है?

टेंशन टाइप हेडेक के बारे में जानिए?

टेंशन टाइप हेडेक मौजूदा समय की सबसे आम समस्याओं में से एक है। इसमें पूरे सिर में एक समान दबाव और जकड़न महसूस होता है।

इसमें सिर में हल्का से लेकर मध्यम दर्द हो रहता है।

विशेषज्ञों का मानना था कि चेहरे, गर्दन और सिर की त्वचा की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण ये दिक्कत होती है।

आमतौर पर माना जाता है कि भावनाओं, तनाव या स्ट्रेस की वजह से मांसपेशियों में खिंचाव बढ़ता है जो सिर में दर्द का कारण बनती है।

कई लोग इसे सिर्फ थकान या नींद की कमी मानकर पेनकिलर ले लेते हैं, लेकिन जब यह समस्या बार-बार होने लगती है, तो यह संकेत होता है कि शरीर और दिमाग दोनों लगातार तनाव में हैं। यह सिर्फ सिर का दर्द नहीं है, बल्कि यह आपके मानसिक और शारीरिक संतुलन का एक अलार्म है जिसे नजरअंदाज करना आगे चलकर गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है।

कैसे जानें कहीं आप भी तो नहीं हैं शिकार?

टेंशन टाइप सिरदर्द में आपको कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं।

सिर में हल्का, लगातार दर्द बना रहना।

माथे पर या सिर के किनारों और पिछले हिस्से में दबाव महसूस होना।

सिर, गर्दन और कंधे की मांसपेशियों में छूने पर दर्द या संवेदनशीलता महसूस होना।

कई बार ये सिरदर्द 30 मिनट से लेकर एक हफ्ते तक रह सकता है और यह कभी-कभी या बार-बार हो सकता है। अक्सर लोग इस तरह के सिरदर्द को माइग्रेन समझने लगते हैं पर यहां जानना जरूरी है कि टीटीएच और माइग्रेन दोनों अलग-अलग स्थितियां हैं।

एक ही नहीं है माइग्रेन और टेंशन हेडेक

माइग्रेन में दर्द अक्सर एक तरफ तेज चुभन जैसा होता है, जबकि टेंशन हेडेक में पूरा सिर एक समान दबाव में जकड़ा हुआ महसूस होता है। यह दर्द हल्का से मध्यम हो सकता है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह बार-बार लौटकर आता है और लंबे समय तक बना रह सकता है।

माइग्रेन में सिर में दर्द के साथ मितली-उल्टी जैसा भी महसूस होता है जबकि टेंशन हेडेक में ये दिक्कतें नहीं होती हैं।

टेंशन टाइप हेडेक मुख्य रूप से शारीरिक और मानसिक तनाव के कारण होता है। लंबे समय तक मानसिक दबाव, चिंता और डिप्रेशन की स्थिति में इसका जोखिम अधिक देखा जाता रहा है।

टेंशन टाइप हेडेक हो तो क्या करें?

टेंशन टाइप हेडेक के खतरों को कम करने और इससे बचने के लिए जीवनशैली में बदलाव सबसे जरूरी है।

अच्छी नींद यानी रोजाना कम से कम 7-8 घंटे की नींद दिमाग को रिलैक्स करने में मदद करती है।

तनाव कम करने के लिए योग, मेडिटेशन और डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज बहुत प्रभावी मानी जाती हैं। ये मांसपेशियों के तनाव को कम करके दर्द में राहत देती हैं।

स्क्रीन टाइम कम करना और आंखों को आराम देना भी जरूरी है।

पर्याप्त पानी पीना और संतुलित आहार लेना ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है, जिससे सिरदर्द को कम किया जा सकता है।

यदि दर्द बार-बार होता रहता है तो डॉक्टर की सलाह जरूर ले लेनी चाहिए।

पोषण की कमी के संकेत देते हैं ये 5 लक्षण, न करें नजरअंदाज

पोषण की कमी शरीर की स्थिति है, जो तब होती है जब शरीर को अपने रोजाना के कामों के लिए जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं। पोषण की कमी एक गंभीर समस्या है और इससे शरीर के कई हिस्से प्रभावित हो सकते हैं। आइए आज हम आपको पोषण की कमी के कुछ लक्षण बताते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। इन लक्षणों के आधार पर आप समय पर उपचार कर सकते हैं।

वजन का कम होना

अगर आपका वजन बिना किसी खास कारण के लगातार कम हो रहा है तो यह पोषण की कमी का एक प्रमुख संकेत हो सकता है। आमतौर पर यह संकेत उन लोगों में अधिक देखने को मिलता है, जो पर्याप्त पोषक तत्व नहीं ले रहे हैं या जिनके खाने में जरूरी विटामिन और खनिज की कमी होती है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है ताकि सही इलाज मिल सके।

थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर आपको अक्सर थकान और कमजोरी महसूस होती है तो यह भी पोषण की कमी का एक लक्षण हो सकता है, खासतौर से अगर यह लंबे समय तक बनी रहती है और आपकी रोजमर्रा की गतिविधियों को प्रभावित कर रही हो तो इसे नजरअंदाज न करें। इसके लिए अपनी खाने में अधिक मात्रा में फल, सब्जियां और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें। इसके अलावा पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम भी जरूरी है।

त्वचा का रंग पीला पड़ना

अगर आपकी त्वचा का रंग पीला पड़ रहा है और आपको त्वचा पर सूखापन या छिलके पड़ रहे हैं तो यह भी पोषण की कमी का संकेत हो सकता है। खासतौर से विटामिन बी12 की कमी होने पर ऐसा होता है। इसके लिए आपको अपनी खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध, दही, पनीर जैसे खाद्य पदार्थ शामिल करने चाहिए। इसके अलावा सोया उत्पादों का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

बालों का झड़ना

अगर आपके बाल तेजी से झड़ रहे हैं या उनकी बढ़त रुक गई है तो यह भी पोषण की कमी का संकेत हो सकता है। खासतौर से विटामिन-डी और आयरन की कमी होने पर ऐसा होता है। इसके लिए आपको अपनी खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, दूध, दही, पनीर जैसे खाद्य पदार्थ शामिल करने चाहिए। इसके अलावा सोया उत्पादों का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

बार-बार बीमार पड़ना

अगर आप बार-बार बीमार पड़ रहे हैं या आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है तो यह भी पोषण की कमी का संकेत हो सकता है। खासतौर से विटामिन-सी और जिंक की कमी होने पर ऐसा होता है। इसके लिए आपको अपनी खाने में संतरा, नींबू, पपीता आदि फल शामिल करने चाहिए। इसके अलावा अखरोट, बादाम, काजू आदि सूखे मेवे भी फायदेमंद हो सकते हैं। साथ ही दही, पनीर और सोया उत्पादों का सेवन भी जरूरी है।

केरल घूमने का बना रहे हैं प्लान? इन 5 छिपे हुए वॉटरफॉल्स को देखना न भूलें

केरल एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां मानसून में जाना किसी एडवेंचर से कम नहीं है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि केरल में कई वॉटरफॉल हैं, जिनके बारे में आज भी कम लोग ही जानते हैं।

केरल को "God's Own Country" कहा जाता है और इसकी पहचान सिर्फ बैकवॉटर, हिल स्टेशन और बीच्स ही नहीं है। बल्कि यहां कई ऐसे हिडेन वॉटरफॉल भी हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग ही जानते हैं। इन्हें देखने के लिए अब दूर-दूर से लोग आ रहे हैं। ने जंगलों, पहाड़ियों और हरियाली के बीच छिपे ये वॉटरफॉल्स नेचर लवर्स को एक अलग ही एक्सपीरियंस देते हैं। अगर आप भी भीड़-भाड़ से दूर सुकून भरी जगह पर वक्त बिताना चाहते हैं तो केरल के ये छिपे हुए झरने आपको जरूर एक्सप्लोर करने चाहिए।

केरल के ये हिडन वॉटरफॉल्स आपकी ट्रिप को यादगार बना सकते है। इन जगहों पर न सिर्फ आपको मनमोहक प्राकृतिक नजारे देखने को मिलेंगे, बल्कि सुकून और रोमांच का अनोखा संगम भी महसूस होगा। इस आर्टिकल में चलिए जानते हैं केरल के 5 ऐसे छिपे हुए झरनों के बारे में, जिन्हें अपनी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करना चाहिए।

मरमला वॉटरफॉल्स, कोट्टायम

केरल के हिडेल वॉटरफॉल की बात की जाए तो इसमें सबसे खूबसूरत है मरमला वॉटरफॉल्स, जो वागामोन हिल स्टेशन के रास्ते में एराट्टुपेट्टा के पास स्थित है। ये झरना आपको गहरे और धुंध से ढके प्राकृतिक तालाब में गिरता है, जो इसकी सुंदरता को और बढ़ा देता है। घने जंगलों और निजी बागानों के बीच होने की वजह से यह जगह अभी भी लोगों की भीड़ से बची हुई है। लेकिन अगर आप केरल आ रहे हैं तो इसे एक्सप्लोर जरूर करें।

पालूर कोट्टा वॉटरफॉल्स, मलप्पुरम

पालूर कोट्टा वॉटरफॉल्स अभी भी लोगों की नजरों से बचा हुआ है। ये मलप्पुरम जिले के कडुंगापुरम गांव में स्थित है। इसकी सबसे खास बात ये है कि ये दो स्तरों वाला बेहद आकर्षक झरना है। इसके आसपास आपको बस हरियाली देखने को मिलेगी। वहीं ऊंची चट्टानें इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, मैसूर के शासक टीपू सुल्तान ने कभी इस एकांत जगह का इस्तेमाल अपने दुश्मनों से बचने के लिए किया था।

थोम्मनकुथु वॉटरफॉल्स, इडुक्की

केरल के हिडेन वॉटरफॉल में थोम्मनकुथु का नाम भी शामिल है। यहां भी आपको कम भीड़-भाड़ देखने को मिलेगी। क्योंकि अभी भी इसके बारे में कम ही लोग जानते हैं। ये झरना अपनी अनोखी बनावट के लिए जाना जाता है। यहां एक नहीं बल्कि सात अलग-अलग स्तरों में बहने वाला झरना है, जहां हर स्तर पर एक नया जलप्रपात और प्राकृतिक जलकुंड बनता है। इस झरने की देखभाल वन विभाग द्वारा की जाती है। ऐसे में यहां आपको साफ-सफाई भी काफी ज्यादा देखने को मिल जाएगी।

अनायाडिकुथु वॉटरफॉल्स, इडुक्की

थोम्मनकुथु वॉटरफॉल्स के पास स्थित अनायाडिकुथु वॉटरफॉल्स इतना पॉपुलर नहीं है। लेकिन इसकी खूबसूरत इतनी ज्यादा है कि आप देखते ही रह जाएंगा। लोकल लैंगवेज में इस झरने के नाम का मतलब "वह जगह जहां हाथी छलांग लगाते हैं" बताया जाता है। कहा जाता है कि पहले इस क्षेत्र में जंगली हाथियों के झुंड अक्सर दिखाई देते थे, जिससे इसका नाम अनायाडिकुथु रखा गया।

धोनी वॉटरफॉल्स, पलक्कड़

पलक्कड़ शहर के पास धोनी हिल्स रिजर्व फॉरेस्ट के अंदर स्थित धोनी वॉटरफॉल्स नेचर लवर्स के लिए एक शानदार जगह है। यहां तक पहुंचने के लिए कुछ दूरी पैदल तय करनी पड़ती है, क्योंकि वाहन सीधे झरने तक नहीं जा सकते। वन विभाग द्वारा नियंत्रित प्रवेश व्यवस्था के कारण यहां की Biodiversity और वन्यजीवों को सुरक्षित रखा गया है, जिससे यह स्थान आज भी शांत और प्राकृतिक बना हुआ है।

रुपये को सहारा देने के लिए सरकार का बड़ा दांव, विदेशी निवेशकों को एलटीसीजी टैक्स से मिली पूरी छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। रुपये पर बढ़ते दबाव और विदेशी पूंजी के लगातार पलायन के बीच केंद्र सरकार ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने शुक्रवार को एक अध्यादेश जारी कर आयकर अधिनियम में संशोधन करते हुए विदेशी संस्थागत निवेशकों (स्नद्धद्ध) द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों (त्र-स्द्गष्ह्य) में किए गए निवेश पर लगने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (रुञ्जष्टत्र) को पूरी तरह समाप्त कर दिया है।

सरकार का मानना है कि इस फैसले से भारतीय सरकारी बॉन्ड बाजार विदेशी निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनेगा और देश में दीर्घकालिक विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ेगा। चूंकि सरकारी प्रतिभूतियां आमतौर पर लंबी अवधि के निवेश साधन होती हैं, इसलिए कर छूट का उद्देश्य स्थिर और टिकाऊ निवेश को प्रोत्साहित करना है।

इस अध्यादेश से पहले विदेशी निवेशकों को इक्विटी और डेट निवेश से होने वाले दीर्घकालिक लाभ पर 12.5 प्रतिशत रुञ्जष्टत्र टैक्स देना पड़ता था। जुलाई 2024 के बजट में यह दर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत की गई थी।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से बड़े पैमाने पर धन निकाला है। इससे न केवल पूंजी बाजार प्रभावित हुआ है, बल्कि भारतीय मुद्रा पर भी दबाव बढ़ा है।

महंगे कच्चे तेल, बढ़ते व्यापार घाटे और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के कारण रुपये में लगातार कमजोरी देखने को मिली है। विदेशी निवेशकों की निकासी और डॉलर की बढ़ती मांग ने रुपये को रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंचा दिया, जिससे भारतीय रिजर्व बैंक (क्रक्चद्ब) को विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा।

रुपये को स्थिर रखने के लिए आरबीआई लगातार अपने विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग कर रहा है। डॉलर की बिक्री के चलते हाल के महीनों में विदेशी मुद्रा भंडार में भी गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही आरबीआई ने कुछ दीर्घकालिक सरकारी बॉन्ड को पूरी तरह सुलभ श्रेणी में शामिल कर विदेशी निवेशकों के लिए निवेश के रास्ते और आसान कर दिए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि पूंजीगत लाभ कर से छूट मिलने के बाद विदेशी निवेशकों का शुद्ध रिटर्न बढ़ेगा, जिससे भारतीय सरकारी बॉन्ड बाजार में उनकी भागीदारी बढ़ सकती है। इससे देश में विदेशी मुद्रा का प्रवाह मजबूत होगा, वित्तीय बाजारों में तरलता बढ़ेगी और सरकार को बुनियादी ढांचा एवं विकास परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने में मदद मिलेगी।

सरकार का यह कदम भारतीय वित्तीय बाजारों को वैश्विक निवेशकों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और आकर्षक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव माना जा रहा है। इससे न केवल निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक विदेशी निवेश को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

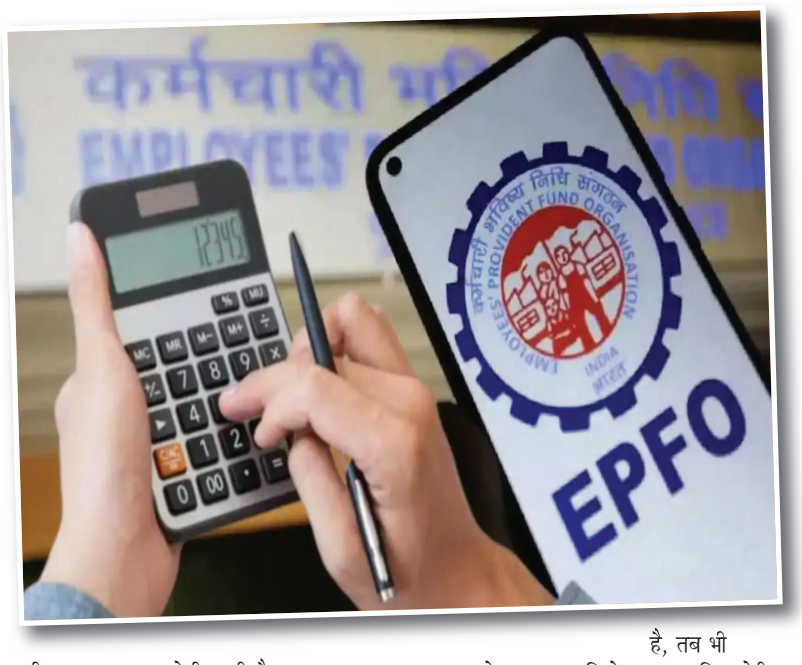

नीलकंठ मिश्रा होंगे विश्व बैंक में भारत के प्रतिनिधि, वैश्विक आर्थिक मंच पर निभाएंगे अहम भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी। एक महत्वपूर्ण निर्णय में वरिष्ठ अर्थशास्त्री नीलकंठ मिश्रा को विश्व बैंक में भारत का कार्यकारी निदेशक (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर) नियुक्त किया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। वह वॉशिंगटन डीसी स्थित विश्व बैंक मुख्यालय में तीन वर्षों के कार्यकाल के लिए यह जिम्मेदारी संभालेंगे। नीलकंठ मिश्रा, परमेश्वरन अय्यर की जगह यह पद संभालेंगे। अय्यर का कार्यकाल तब तक बढ़ाया गया है, जब तक मिश्रा आधिकारिक रूप से पदभार ग्रहण नहीं कर लेते। मिश्रा वर्तमान में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अंशकालिक सदस्य भी हैं।

विश्व बैंक के बोर्ड में वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह बोर्ड ऋण वितरण, विकास परियोजनाओं, वित्तीय नीतियों और प्रशासनिक निर्णयों की निगरानी करता है। यह पद भारत की आर्थिक कूटनीति से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक माना जाता है, जिसमें वैश्विक विकास वित्तपोषण, बुनियादी ढांचा निवेश, गरीबी उन्मूलन और आर्थिक विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होती है।

नीलकंठ मिश्रा फिलहाल एक्सिस बैंक में मुख्य अर्थशास्त्री (चीफ इकोनॉमिस्ट) हैं। इसके साथ ही वह एक्सिस कैपिटल में वैश्विक शोध प्रमुख (हेड ऑफ ग्लोबल रिसर्च) और पूर्णकालिक निदेशक के रूप में भी कार्यरत हैं। उन्हें भारत के सबसे सम्मानित अर्थशास्त्रियों और बाजार रणनीतिकारों में गिना जाता है। साल 2023 में एक्सिस समूह से जुड़ने से पहले उन्होंने लगभग दो दशक तक क्रेडिट सुइस में काम किया। वहां वह प्रबंध निदेशक, भारत रणनीतिकार और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के इक्विटी रणनीति विभाग के सह-प्रमुख रहे थे। नीलकंठ मिश्रा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के अंशकालिक अध्यक्ष और भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अंशकालिक सदस्य भी हैं। इसके अलावा, उन्होंने केंद्र सरकार की कई महत्वपूर्ण समितियों और संस्थानों को सलाह दी है। वह 15वें और 16वें वित्त आयोग के साथ भी जुड़े रहे हैं। नीलकंठ मिश्रा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटी कानपुर) के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने आईआईटी प्रवेश परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर चौथा स्थान हासिल किया था।

पीएफ खाते में ब्याज नहीं दिख रहा? घबराएं नहीं, जानिए कब आएगा पैसा और कैसे करें चेक

ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ईपीएफ पर 8.25% ब्याज दर बरकरार रखी है। लाखों खाताधारक ब्याज जमा होने का इंतजार कर रहे हैं। जानिए ब्याज कब तक खाते में आ सकता है और बैलेंस चेक करने के आसान तरीके।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (EPF) पर ब्याज दर 8.25% ही बनाए रखने का फैसला किया है। मार्च 2026 में इस फैसले की घोषणा की गई थी। इसके बाद से लाखों EPF सदस्य अपने खाते में ब्याज जमा होने का इंतजार कर रहे हैं और जानना चाहते हैं कि यह पैसा कब तक उनके खाते में दिखाई देगा।

8.25% ब्याज दर की घोषणा कब हुई?

मार्च 2026 के पहले सप्ताह में EPFO ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए EPF पर 8.25% ब्याज दर जारी रखने की घोषणा की थी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अनुसार, EPFO के केंद्रीय न्यासी बोर्ड (CBT) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए EPF जमा राशि पर 8.25% वार्षिक ब्याज देने की सिफारिश की थी।

EPF खाते में ब्याज कब आएगा?

फिलहाल EPFO ने ब्याज जमा करने की कोई निश्चित तारीख घोषित नहीं की है। मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, भारत सरकार की आधिकारिक अधिसूचना जारी होने के बाद ही यह ब्याज EPF खातों में जमा किया जाएगा। इसलिए कर्मचारियों को सरकार की मंजूरी और अधिसूचना का इंतजार करना होगा।

वित्त वर्ष खत्म होते ही ब्याज क्यों नहीं जमा होता?

विशेषज्ञों के अनुसार, ब्याज जमा करने की प्रक्रिया में सरकार की मंजूरी, खातों का मिलान और करोड़ों EPF खातों को अपडेट करने का काम शामिल होता है। इस पूरी प्रक्रिया में कई सप्ताह लग सकते हैं।

BankBazaar.com के CEO आदिल शेट्टी के मुताबिक, भले ही ब्याज की एंट्री अभी पासबुक में न दिखे, लेकिन पात्र राशि पर ब्याज की गणना लगातार होती रहती है। सदस्य अपनी पासबुक में "Int। Updated up to 31/03/2026" अपडेट का इंतजार कर सकते हैं।

पिछले साल कब आया था ब्याज?

साल 2025 में बड़ी संख्या में EPF सदस्यों के खातों में जून और जुलाई के दौरान ब्याज जमा किया गया था। विशेषज्ञों का कहना है कि पहले यह प्रक्रिया सितंबर या अक्टूबर तक खिंच जाती थी, लेकिन अब इसमें तेजी आई है। इस साल भी ब्याज जून या जुलाई में जमा होने की संभावना है, हालांकि अंतिम तारीख सरकार की अधिसूचना पर निर्भर करेगी।

क्या देरी होने पर नुकसान होगा?

नहीं। EPF योजना 1952 के नियमों के तहत ब्याज की गणना मासिक रनिंग बैलेंस के आधार पर की जाती है। इसका मतलब है कि यदि ब्याज की एंट्री खाते में बाद में दिखाई देती है, तब भी सदस्य को पूरा ब्याज मिलेगा। प्रशासनिक देरी के कारण ब्याज की राशि में कोई कटौती नहीं होती।

EPF ब्याज जमा हुआ या नहीं, कैसे जांचें?

ब्याज जमा होने के बाद यह आपके EPF बैलेंस और पासबुक में दिखाई देगा। सदस्य निम्न माध्यमों से अपना बैलेंस चेक कर सकते हैं।

UMANG ऐप

EPFO Member e-Sewa पोर्टल

UAN से जुड़े मोबाइल नंबर से 9966044425 पर मिस्ड कॉल देकर

7738299899 पर "UAN EPFOHO ENG" लिखकर SMS भेजकर

EPF बैलेंस देखने के लिए आपका UAN सक्रिय होना चाहिए और आधार, PAN तथा बैंक खाते से लिंक होना जरूरी है।

ईरान हमें अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहा... लेबनान के राष्ट्रपति का आरोप

तेहरान, एजेंसी। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने ईरान पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ईरान अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे विवाद में लेबनान को एक सौदेबाजी के औजार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। CNN को दिए एक इंटरव्यू में आउन ने कहा कि लेबनान के लोग लगातार युद्ध से परेशान हो चुके हैं और अब शांति चाहते हैं। लेबनान के लोग सम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन जीने के हकदार हैं। वे हर कुछ साल बाद अपने घर तबाह होते नहीं देखना चाहते।

दरअसल, 1980 के दशक में ईरान के समर्थन से बने हिज्बुल्लाह ने कई बार इजराइल के खिलाफ युद्ध लड़ा है। अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इस साल भी हिज्बुल्लाह ने इजराइल पर रॉकेट दागे थे। इसके बाद इजराइल ने लेबनान में बड़े पैमाने पर हमले किए। इन हमलों में 3,500 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और देश की लगभग 20% आबादी को अपना घर छोड़ना पड़ा।

लेबनान सरकार लंबे समय से विदेशी दखल, सांप्रदायिक तनाव और क्षेत्रीय संघर्षों से जूझ रही है। आउन ने कहा कि उनकी सरकार हिज्बुल्लाह के हथियारों को नियंत्रित करने और उसके प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रही है, ताकि इजराइल के साथ संघर्ष खत्म हो सके।

राष्ट्रपति ने ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) को निशाने पर लेते हुए कहा, यह आपका देश नहीं, हमारा देश है। ईरान अमेरिका के साथ अपनी बातचीत में लेबनान का इस्तेमाल कर रहा है। लेबनान के लोग इसकी कीमत चुका रहे हैं। हमारे हित और ईरान के हित एक जैसे नहीं हैं।

इजराइल से सीधे बातचीत को तैयार लेबनान

आउन ने कहा कि उनकी सरकार इजराइल के साथ सीधे बातचीत और युद्धविराम समझौते के लिए तैयार है। उनका मानना है कि लेबनान और इजराइल के पास दशकों पुरानी दुश्मनी खत्म करने का बड़ा मौका है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के लोग 1948 से संघर्ष झेल रहे हैं और अब उन्हें युद्ध नहीं, बल्कि बातचीत और कूटनीति का रास्ता चुनना चाहिए।

हालांकि, हिज्बुल्लाह के प्रमुख नाइम कासिम ने लेबनान-इजराइल वार्ता को सरेंडर बताते हुए खारिज कर दिया है। कासिम का कहना है कि जब तक इजराइली सेना लेबनान की जमीन नहीं छोड़ती, तब तक हिज्बुल्लाह अपने हथियार नहीं छोड़ेगा।

बातचीत से होगा समस्या का समाधान: आउन

पूर्व सेना प्रमुख रह चुके आउन ने कहा कि वे खुद युद्ध की पीड़ा झेल चुके हैं और आज भी उनके शरीर में युद्ध के दौरान लगे छर्रे मौजूद हैं। इसके बावजूद वे मानते हैं कि किसी भी समस्या का सबसे अच्छा समाधान युद्ध नहीं, बल्कि बातचीत और कूटनीति है। उन्होंने कहा कि वह हिज्बुल्लाह को समझाने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिश जारी रखेंगे, भले ही यह रास्ता आसान न हो।

पाकिस्तान में आटे का संकट, सरकार की गेहूं खरीद योजना ऐसे हुई फ्लॉप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सरकार की गेहूं खरीद योजना बुरी तरह नाकाम हो गई है। इसका असर अब आम लोगों पर पड़ रहा है। गेहूं और आटे की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है और लोगों को महंगा आटा खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह ने बढ़ती कीमतों पर चिंता जताई है। उन्होंने मुख्यमंत्री हाउस में एक समीक्षा बैठक बुलाई, जिसमें अधिकारियों ने बताया कि 4 जून तक खाद्य विभाग केवल 79,835।66 मीट्रिक टन गेहूं ही खरीद पाया है। जबकि सरकार ने 10 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदने का लक्ष्य रखा था। यानी लक्ष्य का 8% भी पूरा नहीं हो सका।

अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने किसानों के लिए जो समर्थन मूल्य तय किया था, उससे ज्यादा कीमत खुले बाजार में मिल रही है। इसलिए किसान सरकारी केंद्रों की बजाय निजी व्यापारियों को गेहूं बेच रहे हैं। इसी कारण सरकारी खरीद अभियान लगभग फेल हो गया।

सरकारी खरीद कम होने और जमाखोरी बढ़ने से खुले बाजार में गेहूं की कीमत करीब 25% तक बढ़ गई है। कराची में 100 किलो गेहूं की कीमत 11,100 पाकिस्तानी रुपये तक पहुंच गई है। वहीं हैदराबाद में यह 10,900 रुपये प्रति 100 किलो बिक रहा है। सरकार ने 2025 से 26 की फसल के लिए 1 अप्रैल से खरीद अभियान शुरू किया था। किसानों को 3,500 पाकिस्तानी रुपये प्रति 40 किलो गेहूं का समर्थन मूल्य देने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा बारदाना (बोरी) के लिए भी अलग भुगतान रखा गया था। यह योजना 3.32 लाख किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई थी।

कीमतों पर कंट्रोल नहीं कर पा रही सरकार

खुदरा बाजार में आटा 135 से 140 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलो बिक रहा है। जबकि सरकार ने इसकी आधिकारिक कीमत 107 रुपये प्रति किलो तय की थी। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ व्यापारी गेहूं जमा करके कृत्रिम कमी पैदा कर रहे हैं और कीमतें बढ़ा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और बाजार पर कड़ी नजर रखने का आदेश दिया।

इजराइल की फायरिंग में 7 महीने के बच्चे की मौत, 'गलती' पर नेतन्याहू की सेना दुखी

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के हेब्रोन शहर के पास शुक्रवार को इजराइली सेना की गोलीबारी में 7 महीने के एक फिलिस्तीनी बच्चे की मौत हो गई। इस घटना में बच्चे के माता-पिता भी घायल हो गए। बाद में इजराइली सेना (IDF) ने इस पर दुख जताया और कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित किसी भी तरह की हिंसक गतिविधि में शामिल नहीं थे।

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, बच्चे का नाम सैम फहद अबू हैकल था। मंत्रालय ने बताया कि हेब्रोन के दक्षिणी इलाके में इजराइली सैनिकों ने परिवार की कार पर गोली चला दी। गोलीबारी में बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता को मामूली चोटें आईं।

खतरा महसूस होने पर गोली चलाई

इजराइली सेना ने माना कि उसके सैनिकों ने कार पर फायरिंग की थी। सेना का कहना है कि उस समय सैनिकों को लगा था कि वाहन से खतरा हो सकता है, इसलिए गोली चलाई गई। हालांकि, बाद में की गई शुरुआती जांच में पता चला कि कार में सवार लोग आम नागरिक थे और किसी भी तरह की दुश्मनी गतिविधि में शामिल नहीं थे। सेना ने कहा कि मामले की पूरी जांच की जा रही है और रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

गाजा में 70 हजार से ज्यादा मौतें

IDF ने अपने बयान में कहा कि निर्दोष लोगों को नुकसान पहुंचने पर हमें गहरा दुख है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब इजराइल और फिलिस्तीन के बीच हिंसा लगातार जारी है। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद से वेस्ट बैंक और गाजा में हालात और ज्यादा खराब हो गए हैं। फिलिस्तीनी अधिकारियों के अनुसार, अक्टूबर 2023 से अब तक वेस्ट बैंक में 1,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

वहीं, इजराइल का कहना है कि 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए थे और 251 लोगों को बंधक बनाया गया था। गाजा की हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइली सैन्य कार्रवाई में 70,600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

व्यक्तिगत मुलाकात का कोई मतलब नहीं...पुतिन ने जेलेंस्की के प्रस्ताव को ठुकराया

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बैठक के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अपने गृहनगर सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए, पुतिन ने जेलेंस्की के उस खुले पत्र को बेढंगा बताया, जिसमें बैठक का प्रस्ताव रखा गया था। जेलेंस्की के खुला पत्र लिखने का जिक्र करते हुए पुतिन ने कहा, क्या यह व्यक्तिगत मुलाकातों और बातचीत के लिए परिस्थितियां बनाने का तरीका है, मुझे लगता है कि ये ऐसा वातावरण बनाने का तरीका है जो किसी भी व्यक्तिगत मुलाकात को असंभव बना देता है? रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें इस बैठक का कोई तुक नजर नहीं आता।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि क्या यह व्यक्तिगत मुलाकातों और बातचीत के लिए परिस्थितियां बनाने का तरीका है या ऐसा माहौल तैयार करने का तरीका है, जिसमें किसी भी व्यक्तिगत मुलाकात को असंभव बना दिया जाए? उन्होंने कहा कि मुझे लगता है यह दूसरा मामला है। पुतिन ने कहा कि उन्हें ऐसी मुलाकात में कोई फायदा नजर नहीं आता।

ट्रंप के प्रस्ताव के तहत शांति के लिए तैयार: पुतिन

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि मॉस्को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति प्रस्ताव के आधार पर यूक्रेन के साथ समझौता करने के लिए तैयार है, बशर्ते कीव कुछ समझौते करने के लिए तैयार हो। उन्होंने यह दावा भी किया कि रूसी सेना युद्ध के मैदान में अपना प्रभुत्व बनाए हुए है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि मॉस्को यूक्रेनी ड्रोन हमलों का मुकाबला करने के लिए अपनी हवाई रक्षा को मजबूत कर रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रूसी लोगों की देशभक्ति और इच्छाशक्ति यह सुनिश्चित करेगी कि वे यूक्रेन में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें।

यूक्रेन और रूस के बीच सीधा संवाद

इसी से संबंधित एक घटनाक्रम में, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दोनों पक्षों के बीच बातचीत के लिए पूर्ण युद्धविराम का समर्थन करते हुए कहा कि शांति केवल यूक्रेन और रूस के बीच सीधे संवाद के माध्यम से ही संभव है। वहीं, क्रेमलिन ने पुष्टि की कि उसे पत्र प्राप्त हुआ है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने लिखा कि यूक्रेन इस युद्ध को हमारे और आपके बीच सीधी बातचीत के माध्यम से समाप्त करने का प्रस्ताव रखता है। मैं एक बैठक का प्रस्ताव कर रहा हूं।

ट्रंप के साथ हुई शिखर बैठक का जिक्र

प्रेस वार्ता में पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन को समझौते करने होंगे। उन्होंने विशेष रूप से पिछले साल अगस्त में अलास्का के एंकरेज में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई शिखर बैठक का जिक्र किया। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि निस्संदेह, हम शांतिपूर्ण माध्यम से यूक्रेन के साथ एक समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार और इच्छुक हैं- तथा यह उन बातों पर आधारित होगा जिन पर हमने एंकरेज में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बैठक में चर्चा की है। उन्होंने विस्तार में न जाते हुए कहा, उस बैठक में रूस के सामने कुछ सवाल रखे गए ताकि हम कुछ समझौतों पर सहमत हो सकें।

धार्मिक आयोजन में मेड इन पाकिस्तान बेडशीट, वायरल वीडियो के बाद एक्शन में पुलिस

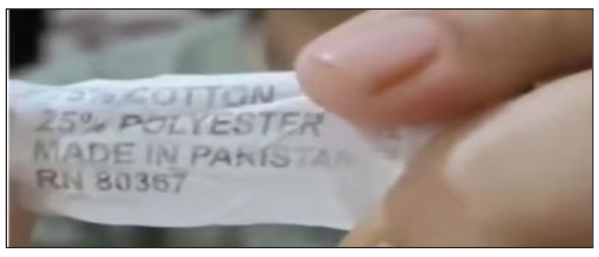

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में एक धार्मिक मेले से खरीदी गई बेडशीट पर मेड इन पाकिस्तान का लेबल मिलने के बाद जांच शुरू हो गई है। एक महिला का दावा है कि यह टैग कपड़ा धोने के बाद ही दिखाई दिया। यह घटना पिंपरी-चिंचवड़ के चिंचवड़ इलाके की है। यहां महिला ने मोर्या गोसावी मंदिर परिसर के पास आयोजित संकष्टी चतुर्थी मेले में एक स्टॉल से बेडशीट खरीदी थी। महिला के मुताबिक, जब उन्होंने यह प्रोडक्ट खरीदा था, तो उसमें कुछ भी अजीब नहीं लगा था। लेकिन बेडशीट धोने के बाद, उन्होंने कपड़े पर लगा एक टैग देखा जिस पर 'मेड इन पाकिस्तान' लिखा था।

इस बात से परेशान होकर महिला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया और सवाल उठाया कि पाकिस्तान में बना बताया जाने वाला प्रोडक्ट महाराष्ट्र के लोकल मार्केट तक कैसे पहुंच गया? वीडियो वायरल होने के बाद पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस ने जांच शुरू की और एक स्पेशल टीम बनाई। ये टीम पता लगाएगी कि बेडशीट कहां से आई थी और मेले में इसे बेचने वाली सप्लाई चेन क्या थी।

पुलिस ने पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम को भी पत्र लिखकर कहा है कि अगर जांच में किसी भी तरह के नियम को तोड़ना पाया जाता है, तो कार्रवाई की जाए। ये बेडशीट बुधवार को संकष्टी चतुर्थी के मौके पर खरीदी गई थी, जब मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जमा हुए थे। अधिकारी प्रोडक्ट के सोर्स का पता लगा रहे हैं। जांच करने वाले अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बेडशीट कहां बनी थी, इसे बेचने वाले को किसने सप्लाई किया था और क्या ऐसे ही प्रोडक्ट किसी बड़े डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के जरिए बेचे जा रहे हैं। अधिकारी प्रोडक्ट के सोर्स का पता लगा रहे हैं। जांचकर्ता अब ये पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बेडशीट कहां से आई, वेंडर को इसे किसने सप्लाई किया और क्या इसी तरह के प्रोडक्ट किसी बड़े डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के जरिए बेचे जा रहे हैं। यह घटना महाराष्ट्र के संभाजीनगर जिले में तीन लोगों की गिरफ्तारी के कुछ समय बाद हुई है, जिन पर 'मेड इन पाकिस्तान' लेबल वाले कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बेचने का आरोप था। अधिकारियों ने कहा कि पुणे मामले में आगे की कार्रवाई चल रही जांच के नतीजों पर निर्भर करेगी।

बिहार में सुरक्षा पर सियासत तेज, लालू-राबड़ी के बाद अब तेजस्वी यादव ने लौटाई अपनी सिक्योरिटी

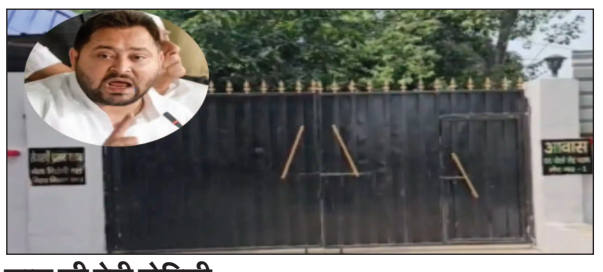

पटना, एजेंसी। बिहार की राजनीति में बंगले के बाद लालू परिवार की सुरक्षा के मुद्दे ने तूल पकड़ लिया है। सरकार ने ने राष्ट्रीय जनता दल (RJD) प्रमुख लालू प्रसाद और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को दी गई Z+ श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली है। जिसके बाद दोनों नेताओं ने अपने आवास से सुरक्षाकर्मियों को हटा दिया है। वहीं अबउनके बेटे और बिहार में नेता प्रतिपक्ष यादव ने भी अपनी सुरक्षा सरकार को वापस लौटा दी है।

जानकारी के मुताबिक आरजेडी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपनी Y+ कैटेगरी की सुरक्षा लौटा दी है। उन्होंने अपने माता-पिता राबड़ी देवी और लालू प्रसाद यादव की Z+ श्रेणी की सुरक्षा हटाए जाने के बाद 1 पोलो रोड स्थित अपने आवास से सभी सुरक्षा गार्डों को वापस भेज दिया है। तेजस्वी यादव अभी दिल्ली में हैं।

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य का सरकार पर हमला

वहीं इस पूरे मुद्दे पर लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने बीजेपी सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कवर में कटौती के बाद दिखावे की सुरक्षा रखने का कोई औचित्य ही नहीं है। उन्होंने कहा कि इसी के चलते उनकी मां राबड़ी देवी ने अपने आधिकारिक आवास से सुरक्षाकर्मियों को वापस किए जाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि बिहार की करोड़ों जनता ही लालू-राबड़ी देवी और उनके परिवार का सुरक्षा कवच है। उन्होंने कहा कि अगर लालू-राबड़ी देवी और परिवार के किसी भी सदस्य को एक खरोच भी आई थी तो अंजाम क्या होगा, इसका अंदाजा शायद सम्राट चौधरी और उनकी सरकार को नहीं है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी का बयान

इधर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इस मामले पर कहा है कि सुरक्षा में कोई कटौती नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि मुद्दा सिर्फ सुरक्षा वाहनों और कमांडो के इस्तेमाल को एक रुतबे के तौर पर देखने का है। उन्होंने कहा कि राज्य और जिला स्तर पर सुरक्षा समितियां ही तय करती हैं कि कितनी सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी को वे सभी सुरक्षाएं मिलती रहेंगी जिनके वे हकदार हैं।

लालू यादव और राबड़ी देवी ने हटाए सुरक्षाकर्मी

इससे पहले लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी ने अपने आवास पर तैनात सभी सुरक्षाकर्मियों को वापस लौटा दिया था। उन्होंने सभी जवानों को तुरंत आवास से चले जाने का निर्देश दिया, जिसके बाद सभी सुरक्षाकर्मी उनके सरकारी आवास से बाहर निकल गए। बताया जा रहा है कि सुरक्षाकर्मी आवास के बाहर कुछ दूर पर आकर खड़े हो गए हैं ID

क्या है मामला

दरअसल सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव करते हुए उनकी सुरक्षा में कटौती है। दोनों नेताओं को पहले Z+ श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त थी, जिसमें बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी, हाउस गार्ड और एस्कॉर्ट वाहन शामिल होते थे। लेकिन अब सरकार ने Z+ श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली है। आदेश के मुताबिक, राबड़ी देवी को बिहार सरकार के विशेष सुरक्षा दल अधिनियम, 2010 के तहत बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बीएसएपी) की 2-8 हाउस गार्ड टीम, तीन महिला एवं तीन पुरुष अंगरक्षक, बुलेटप्रूफ वाहन तथा एस्कॉर्ट वाहन उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं इसी अधिनियम के तहत लालू प्रसाद को 2-8 हाउस गार्ड टीम दी जाएगी। उनकी सुरक्षा के लिए दो अंगरक्षक तैनात रहेंगे। इसके साथ ही उन्हें एस्कॉर्ट, पायलट और बुलेटप्रूफ वाहन की सुविधा भी मिलेगी।

बेबी डॉल में दिखेगा संघर्ष और सपनों का सफर, नियति फतनानी बोलीं– मनोरंजन की दुनिया का भविष्य है माइक्रो–ड्रामा

मनोरंजन की दुनिया लगातार बदल रही है। जहां कभी लंबे टीवी शोज और दो से तीन घंटे की फिल्में दर्शकों की पहली पसंद हुआ करती थीं, वहीं अब डिजिटल दौर में कंटेंट देखने का तरीका तेजी से बदल रहा है। आज की पीढ़ी कम समय में ज्यादा मनोरंजन चाहती है और यही वजह है कि छोटे वीडियो, वेब सीरीज और माइक्रो-ड्रामा जैसे नए फॉर्मेट तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इसी बदलते दौर के बीच अभिनेत्री नियति फतनानी अपने नए माइक्रो-ड्रामा शो बेबी डॉल को लेकर चर्चा में हैं।

उन्होंने इस नए फॉर्मेट में काम करने के अनुभव, अपने किरदार और मनोरंजन उद्योग के भविष्य को लेकर खुलकर बात की। नियति फतनानी ने कहा, माइक्रो-ड्रामा में काम करना टेलीविजन शोज से काफी अलग अनुभव है। आज के समय में कलाकारों के लिए जरूरी है कि वे बदलते ट्रेंड के साथ खुद को भी अपडेट रखें। वर्टिकल वीडियो और माइक्रो-ड्रामा आने वाले समय में मनोरंजन की दुनिया का बड़ा हिस्सा बनने वाले हैं। इस फॉर्मेट की सबसे बड़ी खासियत इसकी तेज रफ्तार है। यहां कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है और दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखने की कोशिश की जाती है। हालांकि यह चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन कलाकारों के लिए यह एक नया अवसर भी लेकर आता है।

अभिनेत्री ने कहा, माइक्रो-ड्रामा की दुनिया में काम करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि कलाकारों को अलग-अलग तरह के किरदार निभाने का मौका मिलता है। एक अभिनेता के रूप में यह अनुभव बेहद रोमांचक होता है, क्योंकि हर बार कुछ नया सीखने और दिखाने का अवसर मिलता है। इससे न केवल अभिनय क्षमता बढ़ती है, बल्कि दर्शकों के साथ जुड़ने का तरीका भी और मजबूत होता है।

नए शो में अपने किरदार को लेकर नियति ने बताया, इस कहानी में मैं एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं जो अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती है। वह एक संघर्षशील कलाकार है, जिसके बड़े सपने हैं और जो इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए लगातार मेहनत कर रही है। लेकिन मुंबई जैसे बड़े शहर में रहना आसान नहीं होता। यहां रोजमर्रा के खर्चे, संघर्ष और प्रतिस्पर्धा किसी भी नए कलाकार के सामने बड़ी चुनौती बनकर खड़े हो जाते हैं।

नियति ने कहा, कहानी में मेरे किरदार को एक एजेंट सफलता का आसान रास्ता सुझाता है। यहीं से कहानी में कई दिलचस्प मोड़ आते हैं। हालांकि यह विषय काफी संवेदनशील है, लेकिन शो की खास बात यह है कि इसे गंभीरता के बजाय हास्य और मनोरंजन के साथ पेश किया गया है।

उन्होंने कहा, दर्शकों को यह शो इसलिए भी पसंद आएगा, क्योंकि इसमें मनोरंजन के साथ-साथ वास्तविक जीवन की झलक भी देखने को मिलेगी। कहानी एक युवा लड़की के सपनों, संघर्षों और उसके सफर को दिखाती है। साथ ही इसमें ऐसे कई पल हैं जो दर्शकों को हंसाने के साथ भावनात्मक रूप से भी जोड़ेंगे।

बचपन की यादों में खोईं तृप्ति डिमरी, कहा-बहुत मार खाई है

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की फिल्म मां बहन नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त तृप्ति ने अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए मजेदार किस्से सुनाए। तृप्ति ने कहा, मुझे लगता है कि हर किसी को अपने माता-पिता से कभी न कभी तो मार पड़ी होगी। बड़े होते समय मुझे तो काफी मार पड़ी थी। उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में जोड़ा, जिस दिन मुझे मार नहीं पड़ती थी, उस दिन भी मुझे मार पड़ जाती थी... मैं घर जाती थी और कोई कहता था, 'क्या हुआ? तुम आज बहुत खुश लग रही हो।

तृप्ति ने बताया कि बचपन में सजा मिलना उनके लिए आम बात थी, लेकिन आज वे उन दिनों को प्यार से याद करती हैं।

बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी ने कहा कि फिल्म में मौजूद तीनों मुख्य किरदार अपने-अपने तरीके से मजबूत हैं और सभी के हिस्से में बराबर की मुश्किलें और हंगामे आते हैं।

उनके अनुसार, फिल्म का परिवार काफी बिखरा हुआ और अव्यवस्थित है, लेकिन यही इसकी सबसे बड़ी खासियत भी है। कहानी में तीनों किरदार एक ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उन्हें हालात संभालने के लिए लगातार नए तरीके अपनाने पड़ते हैं।

सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा मां बहन नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म में तृप्ति के साथ माधुरी दीक्षित नेने, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

कहानी रेखा नाम की एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी रसोई में अचानक एक लाश मिल जाती है। इसके बाद उसकी दो बेटियों जया और सुषमा के साथ मिलकर उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में कॉ मे डी , सस्पेंस और परिवार की मजबूती को खूबसूरती से दिखाया गया है।

मैं वापस आऊंगा का ट्रेलर जारी, बंटवारे के दर्द में तड़पता दिखा वेदांग–शरवरी का प्यार

मैं वापस आऊंगा मेकर्स ने दिलजीत दोसांझ, वेदांग रैना और शरवरी की फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है। फिल्ममेकर इम्तियाज़ अली एक बार फिर प्यार, इमोशन, पुराना रोमांस और तड़प की दुनिया में उतर गए हैं। दिल को छू लेने वाले रोमांटिक ड्रामा बनाने के लिए मशहूर इम्तियाज अली इस फिल्म के साथ अपनी खास कहानी कहने की शैली को वापस ले आए हैं।

इम्तियाज अली पार्टीशन एरा की एक इमोशनल लव स्टोरी के साथ वापस आए हैं। इस फिल्म में पुराने जमाने का रोमांस दिखाया है, जो इंडिया-पाकिस्तान के बंटावारे के कारण बिछड़ जाते हैं।

वेदांग रैना और शरवरी ने इंस्टाग्राम पर मैं वापस आऊंगा का ट्रेलर अपलोड किया है। इस रोमांटिक ट्रेलर को उन्होंने एक रोमांटिक कैप्शन में दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा है, क्या प्यार सच में खत्म सकता है? क्या किसी के दिल से उसका घर छीना जा सकता है? ट्रेलर अब रिलीज हो गया है। मैं वापस आऊंगा, 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

ट्रेलर की शुरुआत पार्टीशन के दौर की यादों के बैकग्राउंड में दिखाए गए। नसीरुद्दीन शाह का किरदार एक अधूरी प्रेम कहानी के दर्द को अपने साथ लिए हुए नजर आता है, जो दशकों से उनके साथ रहा है।

ट्रेलर से पता चलता है कि दिलजीत दोसांझ एक मशहूर यूट्यूबर गुरवीर का किरदार निभा रहे हैं। वह अपने दादाजी (जिनका किरदार नसीरुद्दीन शाह ने निभाया है) को उनकी अंतिम सांसें लेते हुए देखते हैं, जो अपनी बिछड़ी हुई प्रेमिका से मिलने के लिए तरस रहे हैं। वेदांग रैना और शरवरी कहानी में एक यंग कपल का किरदार निभाया है जो एक दिल छू लेने वाली लव स्टोरी लेकर आए हैं।

ट्रेलर में आगे ऐसा लगता है कि दादीजी की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए दिलजीत उस लड़की का पता लगाने पाकिस्तान जाते हैं, जिससे उनके दादाजी पार्टीशन के कारण 78 सालों से नहीं मिल पाए हैं, लेकिन फिर भी उनसे वह आखिरी सांस तक प्यार करते हैं। यह फिल्म दर्शकों को प्यार, दिल टूटने, पुरानी यादों और जुदाई से भरी एक भावुक लव स्टोरी की झलक दिखाती है।

क्या गुरवीर अपने दादी के प्यार को फिर से मिला पाएगा? क्या उसकी दादाजी की प्रेमिका अभी भी जिंदा है? और अगर हां, तो क्या उसे इस अमर प्रेम कहानी के बारे में पता चल पाएगा? खैर, यह जानने के लिए हमें 12 जून तक इंतजार करना होगा।

यह फिल्म मशहूर तिकड़ी ए।आर। रहमान, इरशाद कामिल और इम्तियाज अली के पुनर्मिलन का प्रतीक है, जिनके सहयोग से पिछले कुछ सालों में कई यादगार गानों ने लोगों के दिलों को छूआ है। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी की मुख्य भूमिका में हैं। बिरला स्टूडियोज, अप्लॉज एंटरटेनमेंट और विंडो सीट फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com